पटना ●रविवार, 18 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः218 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

दिल के छेद वाले बच्चों के लिए ... 3 www. bordernewsmirror.com श्रद्धा कपूर ने रेड... 8

देश को डरा रहे हैं 'मंकीपॉक्स' के बढ़ते मामले

मोदी सरकार हुई ऐक्टिव

● डब्ल्यूएचओ ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंकीपॉक्स हाल के वर्षों में एक गंभीर वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। इस बीमारी ने अब फिर से एक बड़ी महामारी जैसी स्थिति पैदा कर दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस के प्रकोप को लगातार दूसरी बार अंतर्राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया है। एमपॉक्स वायरस जनित इस बीमारी को सबसे पहले कांगो में पहचाना गया था। अब यह कई पड़ोसी देशों में भी अपने पैर पसार चुका। मंकीपॉक्स वायरस, निकट संपर्क के माध्यम से फैलता है। इसकी शुरुआत पहली बार

कांगो में हुई थी और अब यह कई पड़ोसी देशों में भी फैल चुका है। इस वायरस के फैलाव को रोकने के लिए संगठन को फिर से आपातकाल की स्थिति घोषित करनी पड़ी है। मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप अब केवल कांगो तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसके केस अन्य देशों में भी बढ़ रहे हैं। मंकीपॉक्स वायरस फ्लू जैसे लक्षण और मवाद से भरे घाव उत्पन्न करता है। हालांकि, सामान्यत: यह हल्का होता है लेकिन कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह घातक साबित हो सकता है। यह स्थिति खासकर उन लोगों के लिए खतरनाक है जिनका प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है। कांगो में मंकीपॉक्स वायरस के प्रकोप ने अब तक 27,000 से अधिक मामलों को जन्म दिया है। जनवरी 2023 से अब तक 1,100 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जिनमें से अधिकांश बच्चे हैं। यह कांगो के इतिहास का सबसे बड़ा मंकीपॉक्स प्रकोप है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। कांगो में मंकीपॉक्स वायरस के दो अलग-अलग स्ट्रेन्स फैले हुए हैं। नया स्ट्रेन ज्यादा खतरनाक है।

बिहार में 20 अगस्त से अब होगा जमीन का सर्वे

● देनी होंगी 177 जानकारियां, अपील के मिलेंगे तीन मौके

पटना (एजेंसी)। बिहार में जमीन का नया सर्वे होने जा रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग 20 अगस्त से यह काम शुरू करेगा। 45 हजार से ज्यादा गांवों में यह सर्वे होगा। सरकार का मकसद पुराने जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करना है। पिछला सर्वे लगभग 50 साल पहले हुआ था। उस समय से अब तक जमीन के लेन-देन में बहुत बदलाव आए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने बताया कि नए सर्वे से जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट किया जाएगा।

उन्होंने एक न्यूज पोर्टल से बातचीत के दौरान कई जरूरी बातें बताईं। उनके मुताबिक इससे जमीन विवादों को कम करने में मदद मिलेगी। सर्वे में 177 तरह की जानकारियां इकट्ठा की जाएंगी। इसमें जमीन का मालिकाना हक, प्रकार, और उस पर बने मकान जैसी जानकारियां शामिल होंगी। जय सिंह ने बताया कि सर्वे का काम एक साल तक चलेगा। इसके लिए सरकार एक अधिसूचना जारी करेगी। हर गांव में बंदोबस्त पदाधिकारी इसकी घोषणा करेंगे। सर्वे कर्मियों को जमीन की मापी करने का अधिकार होगा। जय सिंह ने कहा, सर्वे का मकसद जमीन के रिकॉर्ड को अपडेट करना है।

जब रोजाना हो रहे हों 86 रेप, तो किससे रखें सुरक्षा की आस!

सुरक्षा को लेकर एक सवाल से प्रियंका गांधी के दो-दो निशाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ हुई क्रूरता ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है, लेकिन जब आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा तो फिर महिला सुरक्षा की आशा किससे की जा सकती है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया और लिखा, ''कोलकाता, बिहार, उत्तराखंड और यूपी में महिलाओं के साथ हुई क्रूरता ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस समय देश भर की महिलाएं दुख और गुस्से में हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''जब भी ऐसी घटनाएं होती हैं तो देश की महिलाएं देखती हैं कि सरकारें क्या कर रही हैं। उनकी बातों और उपायों में कितनी गंभीरता है।' प्रियंका गांधी ने कहा, ''जहां भी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्त संदेश देने की जरूरत हुई, वहां आरोपियों को बचाने की कोशिशें की गईं। महिलाओं पर जघन्य अत्याचार के मामलों में बार-बार नरमी बरतना, आरोपी को राजनीतिक संरक्षण देना और सजायाफ्ता कैदियों को जमानत/पैरोल देने जैसी हरकतें महिलाओं को हतोत्साहित करती हैं।'' उन्होंने पूछा, ''इससे देश की महिलाओं में क्या संदेश जाता है। जब सरकारी आंकड़ों में हर दिन 86 रेप हो रहे हों, महिलाएं सुरक्षा की आशा किससे करें। प्रियंका गांधी का यह बयान कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के बाद आया है। इस कांड के कारण देश के कई हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी ने आरोपियों को मिल रहे राजनीतिक संरक्षण और कोलकाता, बिहार, उत्तराखंड और यूपी में महिलाओं के साथ क्रूरता का मुद्दा उठाकर भाजपा समेत तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर एकसाथ निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल में जहां ममता बनर्जी की सरकार है, वहीं यूपी और उत्तराखंड में भाजपा की सरकार है, जबकि बिहार में नीतिश कुमार की सरकार में भाजपा सहयोगी है।

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए अब बनेगी कमेटी

मोदी सरकार ने डॉक्टरों से कहा अब खत्म कर दें हड़ताल

● कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर केंद्र ने की अपील ● आईएमए ने 24 घंटे के लिए काम रोका, विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर की घटना के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का शनिवार को 8वां दिन है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी 24 घंटे के लिए अस्पतालों में सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं चालू रखने की बात कही है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टर्स से हड़ताल खत्म करने को कहा है। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा- डॉक्टरों की मांग को लेकर कमेटी बनाई जाएगी। सुरक्षा के लिए राज्य सरकारों से भी सुझाव मांगे जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस फैसले के पहले आईएमए चीफ ने शनिवार को कहा- इमरजेंसी सेवाएं छोड़कर अस्पतालों में कामकाज बंद है। हमारी मांग है कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हमने ऐसा कुछ नहीं मांगा जो सरकार नहीं कर सकती है।

रेप-मर्डर केस में आवाज उठाने वालों का ट्रांसफर

ममता सरकार का 42 प्रोफेसर-डॉक्टर्स पर ऐक्शन

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में डॉक्टर के रेप और हत्या को लेकर पूरे देश में गुस्से का माहौल है। इस बीच ममता सरकार ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया है। इसके तहत प्रदेश विभिन्न मेडिकल कॉलेज और सरकारी अस्पतालों में तैनात प्रोफसरों और डॉक्टरों का ट्रांसफर कर दिया गया है। इन प्रोफेसरों और डॉक्टरों की संख्या 42 है। इनमें वह डॉक्टर और प्रोफेसर भी शामिल हैं, जिन्होंने इस मामले में आवाज उठाई थी। जिस आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ वहां के भी दो प्रोफेसर डॉक्टरों का नाम तबादला सूची में शामिल है। इस केस को लेकर प्रोटेस्ट कर रहे डॉक्टरों ने इस ट्रांसफर के पीछे साजिश की आशंका जताई है। ममता सरकार ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर इतने बड़े पैमाने पर तबादले क्यों किए गए हैं। वहीं, भाजपा ने भी पश्चिम बंगाल सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि 16 अगस्त को पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग ने आठ पेज की लंबी ट्रांसफर लिस्ट जारी की है। इससे हालात और मुश्किल होंगे। उन्होंने आगे लिखा कि ममता बनर्जी का निशाना मेडिकल कॉलेज कोलकाता और कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज है क्योंकि यह दोनों ही कॉलेज प्रदर्शन के प्रमुख सेंटर हैं। मालवीय के मुताबिक इन दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों से अभी तक पांच प्रोफेसरों का तबादला हुआ है। इन्हें सिलीगुड़ी, तुमलुक और झाड़ग्राम भेजा गया है।

एनडीए को और मजबूत करने की शुरू हुई तैयारी

अब हर महीने होगी बैठक, पीएम ने दिए थे सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की एनडीए की गठबंधन सरकार में तालमेल को और बेहतर करने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विभिन्न दलों के नेताओं के साथ शुक्रवार शाम को अनौपचारिक चर्चा की। हाई टी पर हुई इस बैठक में अधिकांश दलों के नेता मौजूद रहे। इस दौरान इस बात पर सहमति बनी ऐसी बैठक हर माह होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में सुझाव दिया था कि एनडीए में शामिल घटक दलों के बीच शीर्ष स्तर पर बेहतर तालमेल, समन्वय और नियमित अंतराल पर बैठकें होनी चाहिए। इसी क्रम में संसद सत्र समाप्त होने के बाद यह पहली बैठक थी।

सूत्रों के मुताबिक, एनडीए नेताओं की बैठक में सभी दलों के बीच तालमेल और समन्वय को और अधिक बेहतर बनाने पर चर्चा हुई ताकि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गठबंधन के नेता एक सुर में ही बोलते नजर आएं। बैठक में जनता से जुड़े विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी एक सुर में ही बोलने की बात हुई। इसके साथ ही यह भी तय किया गया कि इस प्रकार की बैठक नियमित अंतराल पर होनी चाहिए।

अंतरिक्ष में भारत जल्द करेगा एक और कारनामा

● इसरो ने गगनयान मिशन को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने गगनयान मिशन को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि गगनयान अभियान के लिए रॉकेट के 3 चरण श्रीहरिकोटा के शार रेंज में पहुंच चुके हैं।

एजेंसी इस वर्ष के अंत तक अपनी पहली परीक्षण उड़ान का लक्ष्य बना रही है। एसएसएलवी-डी3/ईओएस-08 मिशन के सफल प्रक्षेपण के बाद सोमनाथ ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले मानव उड़ान मिशन गगनयान के लिए रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान दिसंबर में होने की उम्मीद है। यान के तीन चरण एसडीएससी शार में पहुंच चुके हैं।

क्रू मॉड्यूल को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुवनंतपुरम में एकीकृत किया जा रहा है। गगनयान रॉकेट के लिए सभी सिस्टम (जिनका कोड नाम जी 1 रखा गया है) इस साल नवंबर में शार रेंज तक पहुंच जाएगा। इसरो इस साल दिसंबर में पहली परीक्षण उड़ान का लक्ष्य रख रही है।

बिजनेस बढ़ाने के लिए 21 करोड़ का फंड बनाएगा भारत

पीएम मोदी बोले-ग्लोबल साउथ की ताकत इसकी एकता में ही है

प्रधानमंत्री ने कहा-फूड और एनर्जी सिक्योरिटी सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की फूड और एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर दुनिया भर में चल रही अनिश्चितता पर चिंता जताई। ये बात पीएम मोदी ने शनिवार को वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को संबोधित करते हुए कही। ग्लोबल साउथ के इस इवेंट की मेजबानी भारत कर रहा है। पीएम ने समिट में शामिल देशों को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर समेत बाकी दूसरे प्रमुख क्षेत्रों में उन्हें पूरा समर्थन का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा- वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच है, जहां हम उन लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को आवाज दे रहे हैं, जिन्हें अनसुना किया गया। मोदी ने विकास में भागीदार देशों की मदद के लिए ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि भारत बिजनेस बढ़ाने वाली गतिविधियों के लिए 2.5 मिलियन डॉलर (करीब 21 करोड़ रुपए) का स्पेशल फंड शुरू करेगा।

ग्लोबल साउथ की ताकत इसकी एकता में है। इसके बल पर हम एक नई दिशा की ओर बढ़ेंगे। हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब चारों तरफ अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी भी कोविड के असर से पूरी तरह उबरी नहीं है।

राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी, कोर्ट में देंगे चुनौती

मुकदमा चलाने की मंजूरी के बाद भड़के सीएम सिद्धारमैया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसुरू शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। इस पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने निशाना साधा है। अभियोजन की मंजूरी पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल का फैसला संविधान विरोधी और कानून के खिलाफ है। इसे अदालत में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है कि इस्तीफा देना पड़े। बीजेपी, जद (एस) और अन्य ने लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित सरकार को हटाने की साजिश रची है। बता दें कि राजभवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला टी जे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन अर्जी पर आधारित है। राज्यपाल सचिवालय ने प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 17 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 218 के तहत अर्जी में उल्लेखित कथित अपराधों के लिए सिद्धारमैया के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के अनुरोध पर प्राधिकरण के निर्णय के बारे में सूचित किया। राज्यपाल के निर्णय के बाद शनिवार शाम पांच बजे राज्य मंत्रिमंडल की विशेष बैठक बुलाई। आधिकारिक और कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री अभियोजन के लिए राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। सिद्धारमैया ने कहा यदि राज्यपाल नोटिस वापस लेने की कैबिनेट की सलाह को अस्वीकार कर देते हैं तो सरकार लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर फ्लोरीन लीक, 5 की तबियत बिगड़ी

हड़कंप की स्थिति, खाली कराया गया 1.5 किमी का इलाका

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल पर कैंसर की रेडियो ऐक्टिव दवा लीक हो गई। सुरक्षा उपकरणों का अलार्म बजते ही हड़कंप मच गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ को सूचना दी गई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ को सूचना दी गई। एरिया को खाली कराया गया। सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल जांच कर रही हैं। जो लोग उसकी जद में आए उनको रोक लिया गया है। रेडियोएक्टिव विकरण दिखाई नही देता लेकिन बेहद खतरनाक होता है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, शनिवार को एक फ्लाइट लखनऊ से गुवाहाटी जा रही थी। लखनऊ एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर स्कैनिंग के दौरान मशीन ने बीप किया। कैंसर रोधी दवाएं लकड़ी के बॉक्स में पैक थीं, जिसमें रेडियो एक्टिव एलिमेंट का इस्तेमाल होता है। रेडियो एक्टिव मटेरियल लीक हो गया। अलार्म बजते ही सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई। इसके साथ ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ को भी बुला लिया गया। इस दौरान हड़कंप मच गया। एरिया खाली कराया गया। मामले की जांच चल रही है। यात्रियों को हटाकर स्पेस खाली करवाया गया है।

एनडीआरएफ और एसडीआर टीम के साथ अग्निशमन सेवा घटनास्थल पर है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, रिसाव एक दवा की पैकेजिंग से हुआ है जिसमें फ्लोरीन होता है और स्थिति की पहचान करने और उसे प्रबंधित करने के प्रयास जारी हैं। फ्लाइट लखनऊ से गुवाहाटी जा रही थी। उसी दौरान एयरपोर्ट टर्मिनल-3 पर स्कैनिंग के दौरान मशीन से बीप की आवाज आने लगी। लकड़ी के बॉक्स में कैंसर रोधी दवाएं पैक थीं। इसमें रेडियोएक्टिव एलिमेंट होता है। जैसे ही कर्मचारियों ने बॉक्स खोला तेजी से गैस निकली। इससे 2 कर्मचारी बेहोश हो गए। कर्मचारियों के बेहोश होते ही वहां भगदड़ मच गई। लोग इधर-उधर दौड़ने लगे। तुरंत इलाके को खाली कराया गया। एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट मिथिलेश कुमार तिवारी ने बताया- हमें 9.55 बजे सूचना मिली। इसके बाद 11.40 बजे 25 जवानों की टीम पहुंची। मौके पर टीम के 48 जवान ऑपरेशन में लगे थे। फिलहाल, स्थिति सामान्य है। रिसाव के समय 5 लोग मौके पर मौजूद थे। वह भी सुरक्षित हैं। 1 घंटे तक ऑपरेशन चलाया गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा- एयरपोर्ट के कार्गो डिपार्टमेंट में हर दिन फ्लोरिन आती-जाती रहती है।

बिहार में हनी ट्रैप किडनैपिंग गिरोह एक्टिव पटना का कारोबारी फिरौती के लिए अगवा

3 गिरफ्तार

तीन अपराधी दीपक कुमार, रणधीर कुमार व मुकेश कुमार को दबोच लिया।

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस ने हनी ट्रैप में फंसाकर व्यवसायी व अमीर लोगों से फिरौती वसूलने के मामले का भंडाफोड़ किया है। एक ऐसे ही मामले में पुलिस ने हनी ट्रैप में फंसे दानापुर के एक कारोबारी को मुक्त कराया गया है। पुलिस ने गिरोह के 3 गुर्गों को गिरफ्तार भी किया है। गिरोह के महिला सदस्य अमीर और पैसे वाले लोगों को टारगेट करती है।

कॉल करके उन्हें फंसाती है और फिर गिरोह के बदमाश उसे अगवा कर लेते हैं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपराधियों की पहचान बाढ़ निवासी दीपक कुमार, पंडारक के रहने वाले रणधीर कुमार और अथमलगोला जमालपुर निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई हैं। उनके पास से एक पिस्टल, एक कट्टा, दो कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। अपराधियों ने फिरौती के लिए दानापुर के एक फिनाइल कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाया था। गिरोह की महिला सदस्य ने फोन कर व्यवसायी को 15 अगस्त की दोपहर मिलने के लिए बख्तियारपुर स्थित ममता होटल में बुलाया था। परिवार वालों को बिना कुछ बताए कारोबारी जब बख्तियारपुर पहुंचे तो महिला ने उन्हें दूसरे होटल में बुलाया। एसपी ग्रामीण रौशन कुमार ने बताया कि पीड़ित बाइक से उक्त स्थान पर जा रहे थे कि रास्ते में अपराधियों ने उनका अपहरण कर लिया। बदमाश कार में बिठा उन्हें अथमलगोला स्थित दियारा इलाके में ले गए। वहां व्यापारी को एक झोपड़ी में बंद कर दिया गया था। उधर अथमलगोला में हुई एक हत्या के मामले में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस आरोपित दीपक पर नजर रख रही थी। दियारा में पुलिस ने छापेमारी कर

डरे-सहमे शख्स ने बताया, मुझे अगवा किया गया

छापेमारी वाली जगह पर डरा-सहमा एक अन्य शख्स भी था। पूछताछ में शख्स ने बताया कि दो घंटे पहले ही उसे अगवा कर यहां लाया गया है। अभी फिरौती की मांग परिवार वालों ने नहीं की गई थी। 40 वर्षीय पीड़ित मूल रूप से गया के रहने वाले हैं। एसपी ग्रामीण ने बताया कि आरोपितों ने रामकृष्णा नगर के एक अपराधी के साथ मिलकर हनी ट्रैप में फंसाकर फिरौती वसूलने की साजिश रची थी। दीपक कुख्यात बदमाश है। उसपर हत्या और डकैती के चार मुकदमे दर्ज हैं।

राहगीरों से लूटपाट की रच रहे थे साजिश

हथियार के साथ 3 बदमाश गिरफ्तार:मधेपुरा में 2 कट्टा, जिंदा गोली और 3 बाइक मिले

गोली,1 पिस्टल का खाली मैगजीन, 1 खोखा व 3 बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस दौरान गिरोह का सरगना राजा यादव एवं आकाश यादव अपनी बाइक के पीछे में 2-2 बदमाश को बैठाकर नहर के रास्ते होकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने स्वयं के आवेदन पर थाने में दर्ज प्राथमिकी में चर्चा करते हुए बताया है कि कुख्यात बदमाश राजा यादव उर्फ राजा हीरो के संबंध ग्रामीण दबी जुबान में बोलते हैं कि वह अपने गुर्गे के 8-10 लड़का के साथ बाइक पर हथियार से लैस होकर सवार होकर क्षेत्र में घूमता है। इन अपराधियों के डर से रहटा बाजार के कई दुकानदार दुकान बंद कर बाजार छोड़ दिया है।

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा स्थित बदमाश राजा यादव उर्फ राजा हीरो के कामत कैंपस में पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस ने 3 बदमाश को 2 कट्टा, 2 जिंदा कारतूस, पिस्टल का एक खाली मैगजीन, एक खोखा और 3 बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा बाजार में राहगीर से लूटपाट को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

कुमारखंड थानाध्यक्ष संजीव कुमार को गुप्त सूचना मिली कि बदमाश राजा यादव उर्फ राजा हीरो रहटा स्थित अपने कामत कैंपस में अन्य बदमाशों के साथ रहटा बाजार में राहगीर से लूटपाट की साजिश रच रहा है। थानाध्यक्ष ने वरीय पदाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर एक छापेमारी टीम का गठन किया।

छापेमारी के दौरान पुलिस कुमारखंड थाना क्षेत्र के रहटा निवासी चेतन यादव, रहटा सोनापुर निवासी मोनू कुमार और मुरलीगंज थाना क्षेत्र के दीनापट्टी निवासी गौरव कुमार को 2 देसी कट्टा, 2

बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण का रास्ता साफ:केंद्र से 1413 करोड़ मंजूर

मंत्री नितिन नवीन ने पीएम और सीएम को दिया धन्यवाद

पटना, एजेंसी। बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है। भारत सरकार ने एयरपोर्ट निर्माण के लिए 1413 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। केंद्र के फैसले पर बिहार के नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि बिहटा में एयरपोर्ट के विकास का रास्ता आज साफ हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने नए सिविल एन्क्लेव के विकास के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। जिसकी अनुमानित लागत 1,413 करोड़ होगी। जमीन उपलब्ध कराने के लिए बिहार के सीएम को भी धन्यवाद दिया है।

नया इंटीग्रेटेड टर्मिनल 66 हजार वर्गमीटर में फैला होगा

बिहटा में नए एयरपोर्ट निर्माण के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2017-18 में ही केंद्र और राज्य सरकार से मंजूरी मिली थी। प्रस्तावित नया इंटीग्रेटेड टर्मिनल 66 हजार वर्गमीटर में फैला होगा। लगभग 3000 पीक ऑवर यात्रियों और सालाना 50 लाख यात्रियों को सेवा मिलेगा।

सरकार ने पहले दी थी 108 एकड़ जमीन, हो चुकी बाउंड्री

बिहार सरकार ने पहले 108 एकड़ जमीन दी थी। उसके बाउंड्री का काम करीब 2 साल पहले ही पूरा हो गया है। यह बाउंड्री आठ फीट ऊंची और 10 इंच मोटी है, जिसकी लंबाई लगभग चार किमी है। एयरपोर्ट बनने से कनेक्टिवटी बढ़ेगी। पटना एयरपोर्ट का लोड भी कम होगा। बिहटा से सटे पटना, आरा, बक्सर के अलावा छपरा, गोपालगंज, सीवान के लोगों को विमान से आने-जाने के लिए सुविधा मिल जाएगी। इससे रोजगार और कारोबार बढ़ेगा।

नीतीश के मंत्री कृष्णनंदन पासवान के बेटे पर एफआईआर, सरकारी ठेकेदार ने लगाया गंभीर आरोप

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सुसाशन के तहत सरकार चलाने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन उनके कैबिनेट के एक मंत्री के के बेटे पर गंभीर आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मोतिहारी शहर के अगरवा वार्ड 38 मोहल्ला निवासी ठेकेदार संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह को टेंडर वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। मामले में बुधवार को गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान के बेटे कुंदन कुमार समेत चार पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पूर्वी चंपारण से पहाड़पुर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी ठेकेदार सह पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा है कि वह सरकारी संवेदक है। 2 फरवरी को आरडब्लूडी के मोतिहारी डिविजन में और 11 अप्रैल को आरडब्लूडी अरेराज डिविजन में टेंडर डाले थे। इसके बाद 4 फरवरी को उनके अगरवा स्थित आवास पर कुछ अपराधी आए और जान से मारने की धमकी दी। इसकी फुटेज घर में लगे सीसीटीवी में कैद है।

13 फरवरी से उनके वाट्सएप पर इंटरनेट कॉलिंग से अरेराज के खजुरिया निवासी कुख्यात राहुल सिंह उर्फ राहुल मुखिया, एक मोबाइल नंबर से हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान के पुत्र कुंदन कुमार, अरेराज के खजुरिया निवासी अविनीश कुमार उर्फ सिगरेट सिंह व इंटरनेट नंबर से अगरवा वार्ड 37 निवासी विकास कुमार सिंह ने लगातार फोन किया। आरोप के अनुसार, 15 अप्रैल को हरसिद्धि विधायक के पुत्र कुंदन कुमार सहित उक्त बदमाश ने विधायक का नाम लेकर टेंडर वापस लेने को लेकर जान से मारने की धमकी दी। पूर्व में भी नगर थाने में 23 मार्च 2021 व 20 अप्रैल 2023 को एफआईआर दर्ज कराई थी।

इस मामले में बिहार सरकार के गन्ना मंत्री सह हरसिद्धि विधायक कृष्णनंदन पासवान का कहना है कि प्राथमिकी के बारे उन्हें या उनके बेटे को कोई जानकारी नहीं है। साजिश के तहत षडयंत्र हुआ है। किसी ने साजिश के तहत लोकप्रियता को धूमिल करने के लिये षडयंत्र किया है। संवेदक को धमकी मिलने के बाद से वह तथा उनका पूरा परिवार सहमा हुआ था।

सुनसान जगह पर पकड़ाया प्रेमी जोड़ा, थाना में हुई शादी, परिजनों को बुला कराए फेरे

मुंगेर में पुलिस से कहा-हमारी शादी तय लेकिन अभी करना चाहते

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में गुरुवार की देर शाम शामपुर थाना की पुलिस ने सुनसान जगह में प्रेमी युगल को देखा और पूछताछ कर थाना ले आई। पुलिस ने दोनों के परिजनों को थाना बुलाया और रात में सुनसान इलाके में न जाने की नसीहत दी। वहीं प्रेमी युगल ने बताया कि हम दोनों एक दूसरे से प्यार करते हैं और हमारी शादी तय हो चुकी है। दोनों ने शादी की सहमति जताई जिसके बाद दूसरे दिन शुक्रवार को दोनों ही पक्षों को बुलाकर शामपुर थाना में पूरे विधि विधान से शादी करवाई गई।

वहीं मुखिया प्रतिनिधि पंकज किशोर ने बताया कि बागेश्वरी गांव निवासी लड़की देवानंद मंडल की पुत्री आरती कुमारी है और लड़का बरियारपुर थाना क्षेत्र के गांधीपुर निवासी शिवधारी मंडल का पुत्र सुमन कुमार है। दोनों को पुलिस ने गुरुवार को सुनसान जगह में देखकर थाना लाया था और दोनों ने एक दूसरे से प्यार करने की बात कही। जिसके बाद थाना से हम लोगों को बुलाया गया और दोनों ही पक्ष की सहमति के बाद थाना के शादी करवाई गई। वहीं समिति प्रतिनिधि राजीव यादव ने बताया कि थाना प्रभारी के निर्देश और परिजनों की सहमति के बाद थाना में शादी संपन्न करवाई गई।

शादी करने वाले पंडित रवि पांडे ने बताया कि शादी करवा रहे पंडित रवि पांडे ने बताया कि थाना से फोन कर बुलाया गया और आने के बाद प्रेमी युगल की शादी थाना में पूरे विधि विधान से करवाए सब लोग खुश हैं। इधर शादी के बाद दोनों पति-पत्नी खुश हैं। पुलिस जवान सुमन कुमार ने बताया कि उसका आरती के साथ 6 माह से बातचीत हो रही थी।

उन्होंने बताया कि मैं अपने मर्जी और खुशी से शादी किये हैं मेरे ऊपर किसी का दवाब नहीं है। पुलिस जवान ने बताया कि मै एसपी ऑफिश समस्तीपुर में कार्यरत हूं। उन्होंने बताया कि मेरा पड़ोस के गांव प्रसंडो गांव में रिलेशन है वहीं जब मै आया था तो आरती से मुलाकात हुई। वहीं शादी के बाद दोनों परिजन खुश हैं।

थाने से 100 मीटर की दूरी पर फायरिंग :फुलवारी शरीफ में 2 बाइक से 4 अपराधी पहुंचे थे, 7 खोखा बरामद

पटना, एजेंसी। पटना के फुलवारी शरीफ थाने से 100 मीटर की दूरी पर गोलीबारी हुई है। अपराधियों ने दुर्गा मंदिर के पास शुक्रवार की रात करीब 10 बजे फायरिंग को अंजाम दिया। हालांकि, इस फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी है। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से सात खोखे बरामद किए हैं। घटना के बाद दुकानदार डरे हुए हैं।

12 राउंड फायरिंग : दुकानदारों ने बताया कि दो बाइक से चार युवक दुर्गा मंदिर के नजदीक पहुंचे। कमर से पिस्टल निकाल कर फायरिंग शुरू कर दी। करीब 12 राउंड फायरिंग की गई। इसके बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि अभी दो दिन पहले दुर्गा मंदिर में श्रावणी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया था।

क्या बोले डीएसपी : फुलवारी शरीफ डीएसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि कुछ युवकों ने वर्चस्व के लिए फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। आरोपियों को जल्द पुलिस गिरफ्तार करेगी।

4 प्रमोटर के खिलाफ वारंट जारी करने का आदेश:रेरा के निर्देश को नहीं माना गया था

सुनवाई के दौरान भी नहीं आए थे प्रमोटर

पटना, एजेंसी। बिहार भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने राज्य के चार प्रमोटर के खिलाफ वारंट जारी करने का आदेश दिया है। रेरा के आदेश का पालन नहीं किया गया था। प्रमोटर की ओर से शिकायत करने वालों का इंटरेस्ट समेत पैसा नहीं लौटाया गया था। केस की सुनवाई में भी प्रमोटर नहीं दिखे थे। कोई जवाब भी दाखिल नहीं किया गया था।

इसी को लेकर वारंट जारी किया गया है। प्राधिकरण के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, सदस्य एसडी झा की संयुक्त पीठ ने आदेश जारी किया है। चार मामलों में राजीव शर्मा बनाम पाटली ग्राम बिल्डर्स , रेनू देवी बनाम पाटलिग्राम, संजीव कुमार बनाम लखन होम्स, ममता कुमारी बनाम शशिकांत जैसकौन इंटरबिल्ट शामिल हैं। शिकायतकर्ता ममता कुमारी ने प्रमोटर के खिलाफ पैसे वापस करने के लिए शिकायत वाद दायर किया था। इसमें निर्णय लिया गया था कि प्रमोटर शिकायतकर्ता को 5,34,890, ब्याज के साथ वादी को 60 दिन में देंगे। प्रमोटर ने इसका पालन नहीं किया इसके बाद शिकायकर्ता नें वाद दायर किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान प्रमोटर की ओर से कोई जबाब दाखिल नहीं किया गया है। इसके बाद प्राधिकरण ने वारंट जारी करने का आदेश दिया। दूसरे पीड़ित राजीव शर्मा ने भी शिकायत की थी। इसमें प्राधिकरण ने 20,87,176 रुपए 60 दिन के अंदर वादी को देने का आदेश जारी किया था। 2 महीने बीत जाने के बाद पीड़ित ने वाद दायर किया था। केस की सुनवाई के दौरान प्रमोटर की ओर से कोई जबाब दाखिल नहीं किया गया। इसके बाद वारंट जारी करने का आदेश दिया। तीसरे मामले में शिकायतकर्ता संजीव कुमार ने पैसे वापस करने के लिए शिकायद वाद दायर किया था। प्राधिकरण ने 60 दिन में पैसे इंटरेस्ट के साथ वापस करने का आदेश दिया था। लेकिन, प्रमोटर ने कुछ नहीं किया। फिर वाद दायर किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान प्रमोटर की ओर से से कोई जबाब दाखिल नहीं किया गया। फिर वारंट जारी करने का आदेश दिया गाय है। शिकायतकर्ता रेणु देवी ने प्रमोटर के खिलाफ पैसे वापस करने के लिए शिकायत वाद दायर किया था। उसमे शिकायतकर्ता को 16,80,000 रुपए 60 दिन में वापस करने का आदेश पारित किया था। प्रमोटर ने इसका पालन नहीं किया। केस की सुनवाई के दौरान प्रमोटर की ओर से कोई जबाब दाखिल नहीं किया गया। फिर प्राधिकरण ने वारंट जारी करने का आदेश दिया ताकि प्रमोटर के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

19 को शिववास में योग में होगा रक्षाबंधन का त्योहार

पूर्णिया, एजेंसी। इस बार रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त को मनाया जायेगा। इस दिन शिववास योग भी बन रहा है। 18 अगस्त की रात्रि 2.21 मिनट से श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि आरंभ होकर 19 अगस्त की रात्रि 12.28 मिनट तक रहेगी, लेकिन इसके साथ भद्रा होने के कारण रक्षाबंधन का पर्व भद्रा में नहीं मनाया जाएगा। भद्रा इस दिन दोपहर 1.25 मिनट तक रहेगा। दोपहर 1.26 से सूर्यास्त तक रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। यह बातें पंडित सूरज भारद्वाज ने कही। उन्होंने कहा की रक्षा बंधन का त्योहार सूर्यास्त के बाद भी किया जा सकता है, लेकिन इससे पहले तक रक्षाबंधन का श्रेष्ठ मुहूर्त है। रक्षाबंधन को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन की शुरुआत कृष्ण व द्रोपदी से माना जाता है। कृष्ण भगवान ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था। युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएं हाथ की अंगूली से खून बह रहा था। इसे देखकर द्रोपदी बेहद दुखी हुई और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की अंगुली में बांधा, जिससे उनका खून बहना बंद हो गया। तभी से कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन स्वीकार कर लिया था। वर्षों बाद जब पांडव द्रोपदी को जुए में हार गए थे और भरी सभा में उनका चीरहरण हो रहा था। तब कृष्ण ने द्रोपदी की लाज बचाई थी। ऐतिहासिक मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन की शुरुआत रानी कर्णावती व सम्राट हुमायूं के बीच हुई। मध्यकालीन युग में राजपूत व मुस्लिमों के बीच संघर्ष चल रहा था। रानी कर्णावती चितौड़ के राजा की विधवा थीं। उस दौरान गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख रानी ने हुमायूं को राखी भेजी थी। तब हुमायूं ने उनकी रक्षा कर उन्हें बहन का दर्जा दिया था। शहर के बाजारों में राखी की दुकानें सज गई हैं। शहर के भट्ठा बाजार, खीरू चौक, खजांचीहाट झंडा चौक, विकास बाजार, नगर पालिका मार्केट, आर एन साह चौक, मधुबनी बाजार, लाइन बाजार, खुश्कीबाग, गुलाबबाग समेत दर्जनों जगहों पर राखी की दुकानें सज गई हैं।

मामू भांजा मजार पर 20 को 604 वां सालाना उर्स का होगा आयोजन

हाजीपुर, एजेंसी। स्थानीय मामू भांजा के मजार पर 20 अगस्त को 604 वां सालाना उर्स का आयोजन किया गया जाएगा। शुक्रवार को उर्स की तैयारी को लेकर शहीद- ए-आजम केमटी की बैठक हुई। अध्यक्षता कमेटी के सचिव नसीम अहमद ने की। बैठक में तैयारियों पर चर्चा हुई। कई निर्णय लिए गए। 19 अगस्त को सुबह 9 बजे से हज़रत मामु-भांजा मज़ार के सर मुबारक के चेचर घाट कुतुपुर में बने मज़ार पर चादरपोसी की जाएगी। उसी दिन मध्यरात्रि में मज़ार शरीफ गुस्ल(अभिषेक) तथा 20 अगस्त मंगलवार को सुबह कुरानखूवानी का आयोजन किया जाएगा।

बेलहर कावंरिया पथ पर प्रतिनियुक्ति सेनेटरी इंस्पेक्टर की मौत

बांका में हार्ट अटैक से गई जान, श्रावणी मेले में खाद्य सामग्री की जांच के लिए आए थे

बांका, एजेंसी। बांका के बेलहर कावंरिया पथ पर प्रतिनियुक्ति 46 वर्षीय सेनेटरी इंस्पेक्टर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक शख्स को श्रावणी मेले में कावंरिया पथ पर खाद्य सामग्री की जांच के लिए प्रतिनियुक्ति किया गया था। ड्यूटी करने के बाद अपने कमरे में लौटने पर बैठे-बैठे बेहोश होकर नीचे गिर गया। अन्य साथियों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना शुक्रवार रात की है।

बेलहर प्रखंड अंतर्गत कावंरिया पथ स्थित रूम में नालंदा के औरंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव निवासी कल 46 वर्षीय इंद्रदेव चौधरी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। नालंदा जिले के औरंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव निवासी कल 46 वर्षीय इंद्रदेव चौधरी का कावंरिया पथ पर सेनेटरी इंस्पेक्टर के रूप में प्रतिनियुक्ति किया था। इनका काम था कि श्रावणी मेले में बेलहर प्रखंड अंतर्गत कावंरिया पथ में लगे दुकानों में खाद्य सामग्री की जांच करना। जिसको लेकर कटोरिया प्रखंड अंतर्गत धर्मशाला के पास किराए पर रूम लेकर रहते थे।

प्रत्येक दिन की तरह इंद्रदेव चौधरी का 40 वर्षीय पुत्र उमाशंकर चौधरी कावंरिया पथ पर अपने ड्यूटी के लिए गया हुआ था। ड्यूटी कर जैसे ही अपने रूम पर लौट कर आया और कुछ देर के बाद बैठे-बैठे ही गिरकर बेहोश हो गया। इस दौरान मौके पर उपस्थित उनके साथियों ने आनन-फानन में अस्पताल लेकर चला गया। डॉक्टर उमाशंकर चौधरी ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस ने पहुंचकर छानबीन करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का मौके पर ही रो रोकर बुरा हाल हो गया।घटना के संबंध में मृतक के परियोजना ने बताया कि उमाशंकर चौधरी को हार्ट अटैक की बीमारी थी जिसका इलाज भी चल रहा था। थानाध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि यूडी केस दर्ज कर पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अटल बिहारी वाजपेयी प्रखर वक्ता और आदर्श राजनेता थे : भाजपा अध्यक्ष

पूर्णिया, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित जनसमूह ने दो मिनट का मौन रखकर महान नेता को श्रद्धांजलि दी। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ने अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान व उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा अटल बिहारी बाजपेयी एक प्रखर वक्ता, कवि और आदर्श राजनेता थे। जिनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता ने भारत को एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान राष्ट्र के निर्माण में अविस्मरणीय है। जिला महामंत्री अरुण रॉय ने वाजपेयी के समय में किए गए सुधारों और नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा की अटल बिहारी वाजपेयी ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए किए गए परमाणु परीक्षणों ने भारत को विश्व पटल पर एक मजबूत राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाई। उनकी आर्थिक नीतियों ने भारत को प्रगति की दिशा में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष पिंटू सिंह, राजेश रंजन, महामंत्री संजीव सिंह, अरुण राय पुलक, बायसी पूर्व प्रत्याशी विनोद यादव, जिला मंत्री संजय पोद्दार, अनुपम झा, अभ्यम लाल, रितेश सिंह, प्रकाश दास मंडल अध्यक्ष पश्चिम भाग अजित सिन्हा, हरी दास उपस्थित थे।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

दिल के छेद वाले बच्चों के लिए जगाने वाली है नई उम्मीद

बीएनएम। मोतिहारी

- राजधानी पटना में लगने वाला है मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना का कैंप
- आरबीएसके के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की होती है जाँच
- जिले से 125 हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को किया जा चुका है चिन्हित

बिहार में मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना की शुरुआत अप्रैल 2021 में हुई थी। जिसके तहत बाल हृदय मरीजों की मुफ्त ऑपरेशन की जाती है। मरीजों के यात्रा, भोजन, आवास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। बाल हृदय के मरीजों के लिए यह योजना वरदान साबित हुई है। इस सम्बन्ध में जिले के डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ठाकुर ने बताया कि पूर्वी चम्पारण जिले में अप्रैल 2022 से जून 2024 तक दिल के छेद के 48 मरीजों की सफलतापूर्वक सर्जरी की जा चुकी है। वहीं सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि दिल के छेद वाले बच्चों के लिए नई उम्मीद जगने वाली है। राजधानी पटना में एक महीने के भीतर बाल हृदय योजना का कैंप आईजीआईसी अस्पताल में लगने वाला है। इसके लिए अभी तक जिले से 125 हृदय रोग से ग्रसित बच्चों को चिन्हित किया जा चुका है, जो कि बिहार के किसी भी जिले से सर्वाधिक है। अपर मुख्य चिकित्सा

पदाधिकारी (एसीएमओ) डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि 0 से 18 वर्ष तक के दिल के छेद का कोई मरीज है तो तुरन्त सदर अस्पताल मोतिहारी परिसर स्थित जिला आरबीएसके कार्यालय जाकर डॉ. शशि, जिला समन्वयक आरबीएस से संपर्क करें। ताकि जिले के अधिक से अधिक बच्चों की सहायता की जा सके।

0 से 18 वर्ष तक के दिल के छेद के मरीजों की निशुल्क होती है सर्जरीः आरबीएस की डीसी डॉ. शशि ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष तक के दिल के छेद के मरीजों की निशुल्क सर्जरी बिहार सरकार के द्वारा करायी जाती है। आईजीआईसी पटना में बाल हृदय योजना का कैंप लगाया जाएगा जिसमें श्री सत्य साईं अस्पताल अहमदाबाद के डॉक्टर पटना आकर बाल हृदय मरीजों की जांच करते हैं एवं बाल हृदय रोगियों की सूची बनाकर ले जाते हैं। तत्पश्चात् सूची के अनुसार बिहार सरकार अपने खर्च पर इन बाल हृदय रोगी बच्चों को हवाई जहाज द्वारा पटना से अहमदाबाद भेजती हैं जहाँ हृदय रोगी बच्चों की निशुल्क सर्जरी कराई जाती है। उन्होंने बताया कि आरबीएसके के तहत 43 प्रकार की बीमारियों की जाँच चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों व अन्य स्थानों पर कैम्प लगाकर समय-समय पर की जाती है। जाँच के दौरान कुछ बच्चों में हृदय रोग से संबंधित लक्षण दिखाई देने पर उन्हें जिले के अस्पताल में स्क्रीनिंग की जाती है। उसके बाद हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को उनके माता-पिता और जरूरी कागजातों के साथ निःशुल्क एम्बुलेंस से पटना और उसके बाद विमान से श्री सत्य साइ हॉस्पिटल, अहमदाबाद भेजा जाता है। अस्पताल में बच्चों एवं अभिभावक के रहने, भोजन, इलाज का सारा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस मौके पर एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, जिला समन्वयक डॉ. शशि, नौशाद, जावेद व अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

धूमधाम से सम्पन्न हुई सावन मिलन समारोह

बीएनएम। मोतिहारी

इनर व्हील क्लब ऑफ मोतिहारी लेक टाउन ने पूरे धूमधाम से सावन मिलन समारोह संपन्न किया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देकर की साथ ही क्लब की संरक्षिका शीला गुप्ता ने शिव गान प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट संगीता चित्रांश और पीपी आशा सिंह ने सावन गीत गाकर सबों का मन मोह लिया। मंच संचालन कर रही सचिव नीलम वर्मा ने दो सत्र में कार्यक्रम को करवाया। सबसे पहले सभी पीपी के द्वारा कैटवॉक करवा कर कार्यक्रम को बहुत ही मनोरंजन बना दिया। उक्त मौके पर उपस्थित हमारी संरक्षिका राजकुमारी गुप्ता, कार्यक्रम की संयोजिका पीपी निशा देवा, रंजीता गुप्ता, रजनी कौशल, लोकिता कुमारी,राखी शाह,धीरा गुप्ता, आईपीपी कुमारी अमृता, मीनू श्रीवास्तव,सिमरन ने कैटवॉक करके कार्यक्रम को बहुत ही मनोरंजक बनाया। मनमोहन गीत और नृत्य की प्रस्तुति क्लब के सदस्य बिंदु गुप्ता, दीप गुप्ता, वंदिता, अनामिका, नीलम कुमारी, सीमा गुप्ता, निशा प्रकाश,रागिनी सिंह, अंजु श्रीवास्तव,मनीषा प्रसाद,पल्लवी श्रीवस्तव द्वारा की गई। कार्यक्रम को अति मनोरंजक बनाते हुए क्लब की आईएसओ आबिदा शमीम ने म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया जिसकी विजेता उषा कमल घोषित की गई और उन्हें पुरस्कार दिए गए। क्लब की सभी सदस्य हरे रंग की चूड़ी, हरे रंग की साड़ी में काफी मनमोहक लग रही थी, जिसमें लॉटरी से निकली गई पर्ची में ब्यूटी क्वीन आशा सिंह और दीपा गुप्ता घोषित की गई। चार्टर प्रेसिडेंट संगीता चित्रांश और अध्यक्ष पुतुल सिंह ने क्राउन पहना कर सम्मानित किया। इस आयोजन को स्पॉन्सर करने वाली हमारी सदस्य सीमा गुप्ता को क्लब के तरफ से क्राउन पहना कर सम्मानित किया गया। मनमोहक झूले लगे हुए थे सभी सदस्यों ने झूला झूल कर सावन के गीत गाकर इस कार्यक्रम को काफी मनोरंजक बनाया। क्लब की अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने सभी सदस्यों को सावन गिफ्ट देकर अपनी खुशी व्यक्त की। स्वतंत्रता दिवस के इस मौके पर क्लब की सभी सदस्यों ने देशभक्ति गीत गाकर राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम को समर्पित किया। 15 अगस्त को ही क्लब की तीन सदस्यों लोकिता कुमारी और कुमकुम शुक्ला और चंद्रलता वर्मा के जन्मदिन के मौके पर केक काटकर सभी सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ उनका जन्मदिन मनाया और आशीर्वाद दिया। मौके पर करूणा कुमारी, सरिता जायसवाल, अनुराधा, रंजना सहित अन्य शामिल यहीं।

संक्षिप्त समाचार

संवेदक राजीव हत्याकांड के आरोपी मोतिहारी मेयर पति के घर कुर्की

बीएनएम। मोतिहारी। चकिया के संवेदक राजीव रंजन मर्डर केस में मोतिहारी नगर निगम की मेयर प्रीति कुमारी के आरोपित पति सह राजद नेता देवा गुप्ता के घर पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गई है। शनिवार को भारी संख्या मे सुरक्षा बलो की मौजूदगी के बीच देवा गुप्ता के छतौनी स्पोर्ट्स क्लब के नजदीक स्थित आवास पर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की गईं। उल्लेखनीय है,कि 22 अगस्त 2023 को चकिया के पावर हाउस चौक पर ठेकेदारी के विवाद में सुबह - सुबह राजीव रंजन की अपराधियो ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। घटना के बाद चली पुलिस की कार्रवाई व अनुसंधान के बाद पूर्व मे कुछ आरोपित गिरफ्तार किए गए , वही उक्त मामले में फरार चल रहे देवा गुप्ता के घर की कुर्की की गई है। न्यायालय के आदेश के बाद एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर उक्त कार्रवाई हुई है।

राजद नेता नवनीत कुमार झा ने स्वतंत्रता दिवस पर लहराया तिरंगा

बीएनएम। शिवहर। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रघुनाथ झा के प्रपौत्र व पूर्व विधायक अजीत कुमार झा के पुत्र राजद नेता नवनीत कुमार झा ने अपने शिवहर स्थित आवास पर स्वतंत्रता दिवस की आवास पर राष्ट्रीय ध्वज को फहराया है। वहीं नगर परिषद के अध्यक्ष राजन नंदन सिंह ने नगर परिषद कार्यालय परिसर में के पर अशोक चौधरी, ध्रुव कांत झा, गुड्डू पांडे, राजदा बेगम, ललन यादव, रामचंद्र प्रसाद गुप्ता, बबलू खान, प्रेम शंकर पटेल, ऋषि कुमार, हेमंत कुमार, संजीत यादव, विनोद यादव, विश्वनाथ प्रसाद गुप्ता, सरफुद्दीन, रामचंद्र प्रसाद गुप्ता, नीतीश गिरी, अनिल पटेल, महबूब आलम, मासूम राजा, गोविंद बाबू आदि मौजूद रहे।

एक देसी पिस्टल एवं दो चाकू के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम। शिवहर। तरियानी थाना क्षेत्र के सलेमपुर कोठियां मोड़ के पास वाहन जांच के क्रम में तीन बदमाश को हथियार के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि मथुरापुर थाना फतेहपुर निवासी शाहनवाज खान पिता कलाम खान तथा कमलेश सिंह पिता स्वर्गीय रामभरण सिंह को तथा बेलसंड थाना क्षेत्र के खोठा निवासी मो. सुफियान पिता समसुल खान को एक देसी पिस्टल एवं दो चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया है।तरियानी थाना अध्यक्ष के द्वारा कांड दर्ज कर सभी बिंदुओं की जांच करते हुए अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

निरंतर संघर्षशील प्रयासों व बलिदान का स्मरण कराता है स्वतंत्रता दिवस: प्राचार्या

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के डॉ. श्रीकृष्ण सिंह महिला महाविद्यालय में 78 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्राचार्या प्रो.(डॉ.) किरण कुमारी द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। उन्होंने इस उल्लासपूर्ण अवसर पर सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्राओं एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस एक ऐसा दिन है, जो हमें स्वतंत्र और सुरक्षित महसूस कराते हुए हमारे महान नेताओं की प्रेरक यात्रा, निरंतर संघर्षशील प्रयासों और बलिदान का स्मरण कराता है। उन्होंने सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं, छात्राओं एवं कर्मचारियों से स्वतंत्र वातावरण में काम करते हुए महाविद्यालय को नई ऊंचाई तक ले जाने का आह्वान किया। प्राचार्या डॉ. कुमारी ने एनसीसी परेड का निरीक्षण भी किया। एनसीसी की नोडल ऑफिसर डॉ.कल्पना सिंह के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रध्वज का नमन किया। उक्त शुभ अवसर पर महाविद्यालय में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी कुमारी रंजना के नेतृत्व में महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत संभाषण, गायन व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने भारत के विभिन्न शास्त्रीय व लोक नृत्य के रंगों से सांस्कृतिक कार्यक्रम को रंग बिरंगा कर दिया। कैसे खेले जाए सावन में कजरिया बदरिया घेरे आय सजनी... जैसे गीतों के गायन से छात्राओं ने अपने नृत्य व अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सब का मन मोह लिया। छात्राओं ने देश रंगीला का रिकॉर्डिंग डांस प्रस्तुत कर दर्शकों के हृदय में देशभक्ति की भावना भर दी। विगत् 26 जनवरी 2024 को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महाविद्यालय की छात्राओं को प्राचार्या प्रो.(डॉ.) किरण कुमारी द्वारा मेडल, मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। नगर के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम में जंतु विज्ञान विभाग की दीप्ति कुमारी, इतिहास विभाग की गौरी कुमारी व मानसी तथा राजनीति विज्ञान विभाग की प्रियांशी कुमारी ने उत्कृष्टतम प्रदर्शन किया। 21 जुलाई 2024 को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत आयोजित संभाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी प्राचार्या डॉ. कुमारी द्वारा मेडल, मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञात हो कि 21 जुलाई 2024 को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रोत्साहन में भी महाविद्यालय में संभाषण प्रतियोगिता करायी गई। इस संभाषण प्रतियोगिता के प्रथम विजेता रोशनी पटेल, द्वितीय विजेता शाहीन प्रवीण और तृतीय विजेता परिणीता को भी प्राचार्या डॉ. किरण कुमारी द्वारा मेडल, मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। उक्त कार्यक्रम का सफल संचालन कुमारी रंजना तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विपिन दुबे द्वारा किया गया। इस मौके पर डॉ.कुमारी रोशनी विश्वकर्मा, डॉ.दीपमाला श्रीवास्तव, डॉ. नीतू, डॉ.सोनी, डॉ.आकृति रानी, डॉ. चंदा कुमारी, डॉ. अमृता कुमारी, अमृत सिंह, डॉ.अमित कुमार, मनु कुमारी, गुलनाज बेगम, वैष्णवी राकेश, साक्षी, लकी सहित अन्य छात्राएं व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेहसी में 2745 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

पुलिस ने गुप्त सूचना पर मेहसी थाने के रंगरेज छपरा गांव से शनिवार को भारी मात्रा में विदेशी शराब सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर चकिया एसडीपीओ सतेंद्र कुमार सिह के नेतृत्व में रेड कर शराब को जब्त किया। गिरफ्तार तस्कर मुन्ना कुमार मेहसी थाना क्षेत्र का बताया गया है। जब्त शराब की मात्रा 2745 लीटर है। बताया गया है कि भारी मात्रा में शराब डम्प की गई थी जिसे खुदरा कारोबारियों को सप्लाई किया जाना था , इस बीच पुलिस को सूचना मिल गई और छापेमारी कर शराब को जब्त कर लिया गया । इसके अलावे कुछ अन्य धंधेबाज को भी पुलिस ने चिन्हित किया है जिसके विरुद्ध छापेमारी की जा रही है। पुलिस टीम में चकिया डीएसपी के अलावे मेहसी थानाध्यक्ष रणधीर कुमार , पीएसआई सौरभ कुमार , कन्हैया कुमार , एएसआई नरेश यादव सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

मेडिकल की छात्रा के साथ हुई दरिंदगी व हत्या के विरुद्ध एक दिवसीय सामूहिक हड़ताल

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया शाखा के आह्वान पर विगत दिनों पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर में मेडिकल की छात्रा के साथ हुई क्रूरता पूर्ण दरिंदगी व हत्या के विरुद्ध में शनिवार को जिला सहित शहर के सभी होम्योपैथिक चिकित्सकों ने सामूहिक रुप से अपने-अपने क्लीनिक व दवाखाना को पूर्णतः बंद रखा। वहीं होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा दोषियों को अभिलंब फांसी देने तथा चिकित्सकों को आवश्यक सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की गई। होम्योपैथ चिकित्सकों ने कहा कि सरकार द्वारा चिकित्सकों के सुरक्षा हेतु कड़ी कानून लागू करना आज समय की मांग हो चुकी है। संगठन के अध्यक्ष डॉ. एमएम प्रसाद ने कहा कि आये दिन देश के विभिन्न हिस्सों में निजी एवं सरकारी क्लीनिक व अस्पतालों में चिकित्सकों के साथ क्रूरता पूर्ण घटना व दुर्व्यवहार अब आम बात हो गई है, इससे सभी चिकित्सक समाज काफी आहत है। इस बंद को सफल बनाने में डॉ.बीएन प्रसाद, डॉ. आरके श्रीवास्तव, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. एमके ठाकुर, डॉ. वाइके सिंह, डॉ. आरके सिंह, डॉ. आरके चौबे, डॉ. एससी कुमार, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. ए अली सहित अन्य सैकड़ों होम्योपैथिक चिकित्सक शामिल रहे। उक्त मौके पर संगठन के जिला सचिव डॉ. धीरज कुमार ने बताया की पूर्वी चंपारण जिला के सभी होम्योपैथिक चिकित्सको ने बंद को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं दूसरी ओर महिला डॉक्टर की के साथ हुये जघन्य कांड को लेकर शिक्षाविद, समाजसेवी यमुना कुमार सीकरीया, सचिव सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के द्वारा उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और दीपक जलाया गया तथा इस कांड की घोर निंदा की गई और जल्द से जल्द अपराधियों को सजा दिलाने के लिए केंद्र सरकार से मांग की गई। इस अवसर पर शिक्षण संस्थान में छुट्टी रखी गई। मौके पर सभी शिक्षक, छात्र एवं शहर के सभी वर्ग के लोग उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिन्दूओ पर हमले के विरोध में विहिप ने किया प्रदर्शन

बीएनएम। मोतिहारी

बांग्लादेश मे हिन्दुओ और मठ मंदिरो पर हो रहे हमले के विरोध मे शनिवार को विहिप और बजरंग दल ने विशाल जूलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। जूलूस मोतिहारी शहर के ज्ञानबाबू चौक से शुरू हुआ जो मेन रोड होते हुए हॉस्पिटल चौक बलुआ चौक व राज बाजार होते जिला समाहरणालय पहुंचा,जहां जिलाधिकारी के समक्ष जमकर प्रदर्शन कर सभा भी किया गया। जूलूस का नेतृत्व विहिप के जिला मंत्री मुन्ना तिवारी जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह बजरंगदल के जिला संयोजक हेमन्त कुमार और जिला सह संयोजक उद्धेश्य गुप्ता कर रहे थे। वंही सभा का संचालन मनोज कुमार सिंह अधिवक्ता ने किया। सभा को सम्बोधित करते हुए विहिप के बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश मे हिन्दुओ पर हमले हो रहे है । घरो को जलाया जा रहा है। मठ मंदिरो को तोडा जा रहा है और शेख हसीना को भारत सुरक्षा दिया जा रहा है,जबकि शेख हसीना ट्वीट करके कहती है कि बंग्लादेश इस्लामिक देश है इसलिए हिनदुओ को रहना है तो इस्लाम धर्म स्वीकार करे या भारत चले आए। विहिप इस ट्वीट का निन्दा करता है और शेख हसीना को भारत सरकार से भारत से निकालने की मांग करता है। मौके पर विहिप के जिला मंत्री मुन्ना तिवारी ने कहा कि विहिप व बजरंगदल कोलकता मे महिला चिकित्सक के साथ हुए बलात्कार की स्पीडी ट्रायल चलाकर फांसी की सजा देने की मांग करता है।इसके साथ ही इनलोगो ने पूर्वी चंपारण जिले के ढाका के फुलवरिया मे मंदिरो पर पत्थरबाजी की न्यायिक जांच की भी मांग की।सभा के उपरांत जिलाधिकारी के अनुपस्थित में कार्यपालक दंडाधिकारी को एक पांच सुत्री मांग पत्र सौपा गया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

मारपीट में घायल व्यक्ति की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

- राजपुर-कोटवा पथ के गणेशपुर में किया सड़क जाम
- जमीनी विवाद में 26 जुलाई को दो पक्षों में हुई थी मारपीट

बीएनएम। केसरिया

मारपीट में घायल एक व्यक्ति की मौत के बाद शनिवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने राजपुर-कोटवा सड़क मार्ग को गणेशपुर में सड़क पर शव रखकर करीब दो घण्टे तक सड़क जाम कर दिया। जिससे थोड़ी देर के लिए इस मार्ग से आवागमन बाधित हुआ। सूचना पर पहुँची पुलिस ने प्रबुद्धजनों के सहयोग से आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराते हुए सड़क जाम समाप्त कराया। दरअसल, विगत माह 26 तारीख को गणेशपुर गाँव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। इस घटना में एक पक्ष के वीरेंद्र सहनी (35) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनका इलाज पटना स्थित एक अस्पताल में चल रहा था। विगत कुछ दिन पहले वे घर आये थे। जहाँ रविवार को उनकी मौत हो गई। रामचंद्र सहनी अपने घर का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति था। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पत्नी फूलकुमारी देवी, पिता रामचंद्र सहनी सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना के बाद आक्रोशित स्वजन व ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई है।

शिवहर भाजपा ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि पर कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। शिवहर

भाजपा कार्यालय शिवहर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्य तिथि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता जिला उपाध्याक्ष डा नूतन माला सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र पाण्डेय ने किया। इस दौरान पूर्व विधायक ठाकुर रत्नाकर राणा ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं कहा कि भारतीय जनसंघ पार्टी से भारतीय जनता पार्टी के प्रथम अध्यक्ष के रूप में पार्टी को फर्स से अर्श तक पंहुचा दिये ।इस सदी के राजनीतिक के अजातशत्रु थे। राष्ट्रीय राजनीतिक के दिशा को बदल कर विपक्ष से गठबंधन की राजनीतिक सत्ता को सफल बनाने वाले व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने छह वर्षो शासन में परमाणु संपन्न देश के श्रेणी में खड़ा कर दिये। पाकिस्तान के साथ शांति स्थापित करने के लिए दोनों देश के बीच प्रयास किए।कारगिल युद्ध में विश्व के सबसे उची चोटी पर पाकिस्तान को धूल चटाया निवर्तमान जिलाध्यक्ष संजीव कुमार पाण्डेय, जिला महामंत्री विनय कुमार सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष राम करण पासवान ने भी उनके जीवनी पर प्रकाश डाले। मौके पर राजेश कुमार राजू, किसान मोर्चा अध्यक्ष बसंत कुमार सिंह, जिलामंत्री मुकेश चौधरी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अफसर कमाल, जिला युवामोर्चा जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री उतम पटेल, उपाध्यक्ष निखिल कुमार सिंह, विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक शशि सुमन, निवर्तमान अतिपिछड़ा जिलाध्यक्ष राम श्वार्थ साह, युवा महामंत्री बजरंगी सिंह, युवा ग्रामीण अध्यक्ष नितेश गिरी, मंडल अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, मनोज कुमार, नगर मंडल संयोजक भारतभूषण दुबे, नगर युवाध्यक्ष राहुल रावत मौजुद थे।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय के निरीक्षण में मिली अनियमितता, एचएम का वेतन स्थगित

केसरिया स्थित जय प्रभा आर्य कन्या प्रोजेक्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मामला

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड मुख्यालय स्थित जय प्रभा प्रोजेक्ट आर्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कुव्यवस्था चरम पर है। प्रभारी प्रधानाचार्य की कार्यशैली से विद्यालय की व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस बात का खुलासा कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कुमार अभिजीत सिंह के द्वारा 24 जुलाई को इस विद्यालय के किये गये निरीक्षण के बाद सामने आयी है। निरीक्षण में भारी अनियमितता पायी गई है। विद्यालय के निरीक्षण में कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) ने पाया कि विद्यालय परिसर, कक्षा व लाइब्रेरी में साफ सफाई का घोर अभाव है। विद्यालय की कोई पंजी संधारित नहीं पायी गई। वहीं छात्राओं द्वारा बताया गया कि विद्यालय प्रभारी अखिलेश्वर कुमार व शिक्षिका मंजू कुमारी प्रतिदिन विद्यालय नहीं आते हैं। निरीक्षण के क्रम में यह भी पाया गया कि विद्यालय में समय सारिणी का ध्यान नहीं रखा जाता है। वर्ग दस के तीन सेक्शन में नामांकित कुल 162 छात्राओं में से मात्र सात छात्राएं हीं उपस्थित थी। जबकि पूर्व में तीन जुलाई को बीईओ केसरिया के द्वारा विद्यालय की व्यवस्था सुधारने को लेकर निदेशित किया गया था। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इस अनियमितता को लेकर कार्यक्रम पदाधिकारी ने प्रभारी एचएम व शिक्षिका मंजू कुमारी का वेतन बंद करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की है। साथ हीं एचएम अखिलेश्वर कुमार का सालाना वेतन वृद्धि पर रोक लगाने को लेकर डीपीओ (माध्यमिक शिक्षा) को अनुशंसा भेजा है। इस कार्रवाई से विद्यालय से हाजिरी बना कर फरार रहने वाले शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। उल्लेखनीय है कि जय प्रभा प्रोजेक्ट आर्य कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी एचएम अखिलेश्वर कुमार पर छात्राओं व अभिभावकों ने विद्यालय से अनुपस्थित रहने सहित कई आरोप लगाये हैं। इस बात की पुष्टि इनके द्वारा बनायी गई दैनिक हाजिरी से हो रही है। जिसमें कई जगह सीएल लिखने के बाद पुनः उस जगह हाजिरी बनायी गई है। वहीं अभिभावक गोष्ठी नहीं कराने, छात्राओं के आने जाने पर कोई रोक नहीं सहित कई अन्य आरोप लग रहे हैं।

पश्चिम चंपारण में गांव एवं कब्रिस्तान को कटाव से बचाने हेतु आमरण अनशन

बीएनएम। बेतिया। जिला के नाहा ब्लॉक स्थित माधोपुर गांव में हरबोड़ा नदी से गांव व कब्रिस्तान को कटाव से बचाने हेतु शनिवार से मुखिया मंजुला मिश्रा सैकड़ो ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर हैं। मुखिया ने बताया कि वर्ष 2022 से जिला स्तरीय पदाधिकारी, सांसद व विधायक से हरबोड़ा नदी से कटाव हेतु गाइड बंद बांधने की मांग होती रही है। परंतु प्रशासन चुप्पी साधे हुए था। यही कारण है की मुखिया सहित ग्रामीण जनता आमरण अनशन पर उतारू हुए हैं। ग्रामीण जनता अवध बिहारी यादव, दिनेश शर्मा, बलिराम शर्मा, ललित शर्मा, पूनम शर्मा, मदन राम, बीरबल राम, हेवंती देवी, निर्मला देवी, कलावती देवी, जमीला खातून, हृदया देवी, झुना देवी, राधिका देवी वार्ड सदस्य संजय सिंह, अमर बैठा, दयानंद यादव, नबीउन नेशा आदि ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में वार्ड नंबर 5 व 6 के सैकड़ो घर हरबोड़ा नदी में विलीन हो चुके हैं। प्रशासन से गुहार लगाते लगाते गांव की जनता थक चुकी थी। सीओ विवेक कुमार सिंह का कहना है कि गांव व कब्रिस्तान को हरबोड़ा नदी के कटाव से बचाने हेतु जिला प्रशासन को पत्र भेजा जा चुका है। जबकि ग्रामीणों ने बताया कि इस इलाके में प्रशासनिक अधिकारियों की रवैया जनता के प्रति बहुत ही खराब होती जा रहीं हैं।

गन्ना मंत्री कृष्णनन्दन पासवान के बेटे कुंदन पासवान पर ठेकेदार को जान मारने की धमकी का आरोप

बीएनएम। मोतिहारी

पीड़ित ठेकेदार ने मंत्री के बेटे पर नगर थाने में दर्ज कराया एफआईआर

नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान के बेटे कुंदन कुमार व अन्य तीन के विरूद्ध नगर थाने में एफआईआर दर्ज हुआ है। इस मामले में ठेकेदार सह पहाड़पुर के सिसवा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह ने मंत्री पुत्र कुंदन कुमार, राहुल सिंह, सिगरेट सिंह व विकास सिंह पर टेंडर डालने के कारण धमकी देने का आरोप लगाते कहा है, कि मंत्री के बेटे ने टेंडर वापस नही लेने पर उनको जान से मारने की धमकी दी है। मोतिहारी शहर अगरवा मोहल्ला के रहने वाले पीड़ित संवेदक संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाते कहा है, कि 2 फरवरी 2024 को तुरकौलिया प्रखंड के एक काम के लिए उसने मोतिहारी डिविजन में टेंडर डाला था। जब हमने टेंडर उठाने से मना कर दिया और कहा कि मेरे पास कोई काम नहीं है, इस लिए हम टेंडर नहीं उठाएंगे। उसके बाद अरेराज डिवीजन के हरसिद्धि प्रखंड में रोड के काम के लिए टेंडर डाला। जिस टेंडर को पहले रद्द कराने का बहुत प्रयास किया गया, बावजूद इसके वह टेंडर उनको मिल गया तो हरसिद्धि से बीजेपी विधायक और गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान के बेटे कुंदन पासवान का फोन आया कि आप नहीं मानिएगा, फिर टेंडर डाल दिए। टेंडर उठा लीजिए, नहीं तो टेंडर देने के लायक नहीं रहिएगा। मंत्री पुत्र ने कहा कि आपको केवल मेरा ही क्षेत्र मिल रहा है। आप टेंडर उठा लीजिए, नहीं तो ठीक नहीं होगा। यह सुन कर मैंने फोन काट दिया। बाबजूद इसके जब मैंने टेंडर नहीं उठाया तो ये लोग मेरा रेकी कराने लगे, जिस कारण मैंने बाहर निकलना कम कर दिया। पीड़ित ठेकेदार ने इस बारे में बताया कि मोतिहारी डिविजन में मैंने फरवरी में जो टेंडर डाला था, वह आज तक फंसा हुआ है और उसे आज तक क्लियर नहीं किया गया है। उस समय के एक्सक्यूटिव इंजीनियर संजय कुमार ने उसे फंसा कर रखा है, ताकि मंत्री के पुत्र के कहने के बाद मैनेज हो जाए। वही इस मामले में गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान के पुत्र कुंदन पासवान ने बताया कि मेरे पिता की राजनीतिक छवि को धूमिल करने के लिए विरोधियों की यह साजिश है। वही इस मामले में एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया है, कि इस मामले में नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिसकी जांच की जा रही जांचोपरांत आवश्यक कारवाई की जायेगी।

सनकी सिपाही ने थाने में की फायरिंग, खुद को कमरे में किया बंद

सिपाही को काबू करने में विभाग को करनी पड़ी मशक्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पीपरा कोठी थाने में तैनात एक सनकी सिपाही ने थाने में फायरिंग करते हुए खुद को कमरे में बन्द कर लिया।हालांकि इस घटना में किसी तरह का कोई नुकसान नही हुआ। बताया गया है कि थानाध्यक्ष से विवाद के बाद सिपाही ने फायरिंग कर पूरे थाने में हंगामा खड़ा कर दिया। इस मामले में सिपाही का पिस्टल छिनने में कई पुलिस अधिकारी को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अलबत्ता सूचना यह है कि उक्त सिपाही को घर भेजा गया है , घर जाने वक्त वह आर्म्स साथ ले गया है , जो साथ जा रहे एक विभागीय मित्र को रास्ते मे वापस कर देने की बात कही है। इस बाबत डीएसपी सदर 2 जितेश पाण्डेय ने बताया है कि सिपाही को निलंबित किया जाएगा और विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट सौंपी गई हैं , जहां से विधि सम्मत करवाई की जाएगी। शुक्रवार की देर रात से ही मोबाइल पैथर का सिपाही आशीष तिवारी खुद को कमरे में बंद कर रखा था और फायरिंग किया। भय के माहौल में कोई भी उसके इर्द - गिर्द नही जा रहा था। काफी मशक्कत के बाद शनिवार को दोपहर में उक्त सिपाही को नियंत्रित किया गया।दरअसल उक्त सिपाही का थानाध्यक्ष से कुछ दिन पूर्व विवाद हुआ था , जिससे बिफरे सिपाही ने हंगामा खड़ा कर दिया।

अज्ञात अपराधियों ने घर जा रहे फाइनेंस कर्मी को गोली मार लूट की घटना को दिया अंजाम

बीएनएम। सुगौली

- घटना से आम लोगों में बना दहशत का माहौल
- घायल का ईलाज मोतीहारी में चल रहा है

थाना क्षेत्र के छपवा -बेतिया मुख्य मार्ग पर लगभग एक किलोमीटर आगे एक बाइक को ओवरटेक कर अपराधियों ने एक फाइनेंस कर्मी को गोली मार कर करीब तेईस हजार रुपये लूट लिया। घायल युवक पश्चिम चम्पारण जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र निवासी विपिन मिश्रा का पुत्र सोनू कुमार मिश्रा बताया जाता है। इस घटना से लोगों में दहशत फ़ैल गया है। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल फाइनेंस कर्मी को इलाज के लिए मोतिहारी ले गयी है। घटना के बाबत मिली जानकारी के मुताबिक घायल युवक चिरैया में स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंस के ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत है। जो शनिवार को अपनी बाइक से बैंक की छुट्टी के बाद अपने घर योगापट्टी जा रहा था। इस दौरान छपवा -बेतिया मुख्य मार्ग में फुलवरिया के नयका टोला गांव के समीप बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने उसे गोली मार दी और लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना की पुष्टि करते हुए नवपदस्थापित थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि घायल को इलाज के लिए मोतिहारी भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। आवेदन प्राप्त होने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

वाणी का शरीर पर प्रभाव

प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्वि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

युवा-सी ताजगी के साथ दिलों पर राज करने वाले गुलजार

ललित गर्ग

(गुलजार के 88वें जन्मदिन- 18 अगस्त, 2024)

गुलजार भारतीय गीतकार, कवि, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक तथा नाटककार हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से कागजों पर लफ्जों को एक नई शक्ल, एक नई जिन्दगी, एक नई संवेदना एवं एक नई जिजीविषा को रचते हुए न केवल भारत बल्कि दुनिया के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त की है। वे हिन्दी गीतों एवं संवादों के ऐसे राजकुमार हैं, जिन्होंने 88 साल के होकर भी युवा-सी ताजगी के साथ श्रोताओं दिलों पर राज किया है। उन्होंने बोलचाल की भाषा में शायरी करते हुए, गीत एवं संवाद लिखते हुए अपने सृजन से यौवन की दहलीज वालों के लिये प्रेम को जीवंतता दी है तो जवानी पार कर चुके बुजुर्गों के लिये जीने का नया अंदाज देकर प्रभावित किया है। उनके गीतों में श्रृंगार रस, लेखनी में संवेदनाएं एवं आत्मा में अध्यात्म-रस बसा हुआ है। वे ऐसे गीतकार, संवाद लेखक एवं शायर हैं, जिनके जीवन की चादर पर सकारात्मकता, संवेदना एवं प्रेम के रंग बिखरे हुए है। गुलजार दार्शनिक कवि-गीतकार हैं तो सनातन सत्य एवं जीवनमूल्यों को सहजता से उद्घाटित करने वाले जादूगर भी है। सम्पूर्ण सिंह कालरा उर्फ गुलजार का जन्म 18 अगस्त 1936 में दीना, झेलम जिला, पंजाब में हुआ था, जोकि अब पाकिस्तान में है। गुलजार अपने पिता की दूसरी पत्नी की इकलौती संतान हैं। उनके पिता का नाम माखन सिंह कालरा और माँ का नाम सुजान कौर था। जब गुलजार बेहद मासूम और छोटे थे तभी उनकी माँ का निधन हो गया। देश के विभाजन के वक्त इनका परिवार पंजाब के अमृतसर में आकर बस गया। वहीं से गुलजार मुंबई चले आए। मुंबई आकर उन्होंने एक गैरेज में बतौर मैकेनिक का काम करना शुरू कर दिया एवं खाली समय में शौकिया तौर पर कवितायें लिखने लगे। इसके बाद उन्होंने गैरेज का काम छोड़ हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक बिमल राय, हृषिकेश मुखर्जी और हेमंत कुमार के सहायक के रूप में काम करने लगे। गुलजार की शादी तलाकशुदा अभिनेत्री राखी गुलजार से हुई हैं। हालांकि बेटी के जन्म के बाद गुलजार एवं राखी अलग हो गये। लेकिन गुलजार और राखी ने कभी भी एक-दूसरे से तलाक नहीं लिया। उनकी एक बेटी हैं-मेघना गुलजार जोकि एक फिल्म निर्देशक हैं। अपनी सोच एवं कलम की जादूगरी से गुलजार सिनेमा की दुनिया और सिनेमा

प्रेमियों के जीवन का एक जरूरी हिस्सा बन गये हैं। गुनगुनाते गीतों एवं संवादों में जीवन एवं संवेदनशील किरदारों में अपना अक्स देखनेवाले दर्शक न गुलजार की फिल्मों को भूल सकते हैं और न ही गीतों को। वे प्रेम भरे गाने लिखते हैं तो भक्तिमय भी। 'मोरा गोरा अंग लइ ले, मोहे श्याम रंग दे दई... सिनेमा की चमक-दमक में वे श्याम रंग की चाहत को भी उकेर देते हैं। स्क्रीन प्ले लिखते हैं तो आनंद जैसी फिल्म जिसका नायक हंसते-हंसते पल-पल करीब आती मौत के लिए तैयार नजर आता है। फिल्म बनाते हैं तो वो 'आंधी' और 'मौसम' की शक्ल में सामने आते हैं, जहां संवेदनाओं का ज्वार अपने चरम पर नजर आता है। टीवी सीरियल की बात होती है तो मिर्जा गालिब को जीवंत कर देते है। मिर्जा गालिब टीवी धारावाहिक की हैसियत कुछ वैसी है जैसे बड़े पर्दे पर मुगले-आजम की बनी थी। बच्चों के लिए लिखा तो जंगल जंगल बात चली है, पता चला है, चड्डी पहनकर फूल खिला है, बच्चों की जिन्दगी का अहम हिस्सा बन गया। गुलजार बंटवारे के दौर की हिंसा को सालों तक नहीं भूल पाए। तब वे ग्यारह-बारह साल के थे। अपनी आंखों के सामने उन्होंने सैकड़ों लोगों का कत्ल होते देखा था। लाखों लोगों को रातोंरात उजड़ने की भयावहता भी उनके दिलोदिमाग में घर कर गयी थी। कच्ची उम्र के जख्म जिंदगी भर नहीं जाते। गुलजार के अंदर भी यह पूरा हादसा किसी खतरनाक मंजर की तरह उबलता रहता है, सालता रहता है। तभी तो गुलजार लिखते हैं- आंखों को वीजा नहीं लगता, सपनों की सरहद होती नहीं, बंद आंखों से रोज मैं सरहद पार चला जाता हूं। माचिस फिल्म बनाते हैं तो उनका दर्द कुछ यूं छलक आता है- छोड़ आए हम वो गलियां, छोड़ आए हम वो गलियां।। लेकिन गुलजार इसी दर्द से सिमटे भर नहीं रहे। वे कहते हैं, वक्त के साथ समझ में आया कि कम कहने में ज्यादा अर्थवत्ता है। ज्यादा कहने से अर्थ ही निस्तेज हो जाते हैं। इसलिए यही गुलजार जब मस्ती के मूड में आते हैं तो बखूबी लिख डालते हैं- गोली मार भेजे में, भेजा साला शोर करता है। यही गुलजार जब प्रेम कविता लिखते हैं- तुम्हारे गम की डली उठा कर, जुबां पर रख ली है देखो मैंने। वह कतरा कतरा पिघल रही है, मैं कतरा कतरा ही जी रहा हूं। खूबसूरती एवं जीवन के रंगों को हम प्रतीकों में पहचानते आए हैं और प्रतीक देश-काल, समाज-संस्कृति, जीवन एवं सोच, राजनीतिक माहौल के साथ बदलते रहते हैं। लेकिन गुलजार जैसे प्रेम और सौन्दर्य के महान् गीतकार अपनी काबिलीयत से जब नये रंग भरने लगता है तो जनमानस में व्याप्त खूबसूरती के पैमाने खुद-ब-खुद बदलने लगते हैं। गुलजार के पूरे जीवन में ये साफ नजर आता है कि समय के साथ वे खुद को बदलते रहे। उनका फोकस कभी डगमगाता नहीं दिखा, वह भी तब जब उनके अपने जीवन में 'आंधी' आ गई थी। दरअसल, आज से यही कोई 50 साल पहले 18 अप्रैल, 1973 को गुलजार और राखी ने आपस में प्रेम विवाह किया था। इस शादी में उस वक्त की भारतीय सिनेमाई दुनिया के तमाम दिग्गज शरीक हुए थे। गुलजार के जीवन के पन्नों पर टंके हैं जीवन के, जिजीविषा के, सृजन के, संघर्ष के मंजर। जो हर कोण से एवं हर मोड़ से कुछ नया एवं विलक्षण करता रहा है। उनका हिंदी सिनेमा में करियर बतौर गीत लेखक एस. डी. बर्मन की फिल्म बंधिनी से शुरू हुआ। साल 1968 में उन्होंने फिल्म आशीर्वाद का संवाद लेखन किया। इस फिल्म में अशोक कुमार नजर आये थे। इस फिल्म के लिए अशोक कुमार को फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों के गाने लिखे जिसके लिए उन्हें हमेशा आलोचकों और दर्शकों की तारीफें मिली। साल 2007 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर का गाना जय हो लिखा। उन्हें इस फिल्म के ग्रैमी अवार्ड एवं सर्वश्रेष्ठ गीत का ऑस्कर पुरस्कार मिल चुका है। उन्हें 2004 में भारत के सर्वोच्च सम्मान पद्म भूषण से भी नवाजा जा चूका है। गुलजार अनेक पुरस्कार और सम्मान से नवाजे जा चूके हैं। जिनमें प्रमुख हैं- 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 22 फिल्मफेयर अवाड्र्स, 1999 से 2000 तक के लिए मध्य प्रदेश सरकार से राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान प्राप्त, साल 2008 में सर्वश्रेष्ठ मूल गीतों के लिए अकादमी पुरस्कार, 2010 में एक ग्रैमी अवार्ड, 2002 में उर्दू के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार आदि। बतौर निर्देशक भी हिंदी सिनेमा में अपना बहुत योगदान दिया हैं। जिनमें उनकी प्रमुख फिल्में हैं-मेरे अपने, परिचय, कोशिश, अचानक, खुशबू, आँधी, मौसम, किनारा, किताब, अंगूर, नमकीन, मीरा, इजाजत, लेकिन, लिबास, माचिस, हु तू तू। उन्होंने अपने निर्देशन में कई बेहतरीन फिल्में दर्शकों को दी हैं। जो लीक से हटकर होने के कारण दर्शकों के द्वारा सराही गयी है और उनके दिलों में बस गयी है। जिन्हे दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं। उन्होंने बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे के लिए भी काफी कुछ लिखा है। जिनमे दूरदर्शन का शो 'जंगल बुक' भी शामिल है। ख्याति के ऊंच शिखरों पर आरूढ़ गुलजार का जीवन प्रेरक, सहज एवं सादगीमय है। मुंबई में रहने के बाद भी गुलजार तड़के पाँच बजे उठ जाते हैं। कहते हैं सूर्य उन्हें जगाए उससे पहले वे सूर्य को जगाना चाहते हैं। टीवी पर टेनिस और क्रिकेट का मैच आ रहा हो तो गुलजार कोई दूसरा काम नहीं करते। इन खासियतों के अलावा सार्वजनिक जीवन में गुलजार के व्यक्तित्व के दो अहम पहलू और भी हैं। शांत और सौम्य नजर आने वाले गुलजार हमेशा सफेद कपड़ों में ही दिखाई देते हैं, जिसने उन्हें एक स्वतंत्र पहचान दे दी है। गुलजार हम सबके चहेते हैं तो अपने गीतों के लिए, अपनी फिल्मों के लिए। अपनी शायरी और कविताओं के लिए। अपनी कहानियों के लिए। अपनी जिंदादिली के लिए।

उन सभी कारणों को भूल जाए कि कोई कार्य नहीं होगा, आपको केवल एक अच्छा कारण खोजना है कि यह कार्य सफल होगा।
डॉ. राबर्ट

चाहे यह आपके लिए सबसे अच्छा समय हो अथवा सबसे खराब समय हो, केवल और केवल समय ही हमारे पास होता है।
आर्ट बचवाल्ड

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चर्तुदशी, रविवासरे, उत्तराषाढ़ा नक्षत्रे, आयुष्यमान योगे, विवकरणे, मकर की चंद्रमा, भद्रा रात्रि 2/21 सर्वार्थ सिद्ध योग 9/47 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, तार्किक, जिद्दी-हठी, लकड़ी का व्यापारी-ठेकेदार, आरा मशीन वाला तथा लकड़ी की चौखट-किवाड़ निर्माणकर्ता, कुशल कारीगर तथा उत्तम व्यापारी, धनीमानी होगा।

मेष राशि :- इष्ट-मित्रों से लाभ, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्य एक-एक करके बनेंगे।

वृष राशि :- अपने प्रत्येक कार्य में बाधा, लाभकारी कार्य हाथ से निकल सकता है, सावधानी से लाभ होगा।

मिथुन राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति में सुधार, कार्य अनुकूल बनेगा।

कर्क राशि :- योजनायें फलीभूत होंगी, दैनिक सफलता के साधन जुटायें, प्रलोभन से बचें।

सिंह राशि :- प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, अनेक समस्यायें असमंजस में रखें तथा कार्य की बेचैनी बढ़ेगी।

कन्या राशि :- स्त्री-वर्ग से तनाव के बाद शांति तथा भाग्य का सितारा साथ देगा, मानसिक प्रसन्नता रहेगी।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, समय अनुकूल है, कार्य-कुशलता से संतोष अवश्य ही होगा।

वृश्चिक राशि :- आर्थिक योजना सफल होगी, सोचे कार्य समय पर बनेंगे, कार्य-योजना पर विचार होगा।

धनु राशि :- अर्थ-लाभ, कार्य-कुशलता में बाधा, स्वास्थ्य नरम रहेगा, पराक्रम उत्साहवर्धक अवश्य होगा।

मकर राशि :- उद्विग्नता बनी ही रहेगी, किसी उत्तम समाचार से हर्ष अवश्य ही होगा, प्रसन्नता बनी रहे।

कुंभ राशि :- विरोधियों से परेशानी, चिन्ता व्यग्रता बनी ही रहेगी, विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

मीन राशि :- आय-व्यय सामान्य रहेगा, शारीरिक कष्ट, कार्य-क्षमता में भेद होगा, कार्य में रुकावट बनेगी।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में

सनत जैन

निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा की चुनाव अधिसूचना जारी कर दी है। जम्मू कश्मीर में 10 साल के बाद चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 खत्म होने और जम्मू कश्मीर राज्य केंद्र शासन के अधीन घोषित होने के बाद यह पहला चुनाव है। इस चुनाव को लेकर जम्मू कश्मीर के नेता कई महीनो से इंतजार कर रहे थे। यहां की जनता भी चुनाव नहीं होने से नाराज थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आखिरकार यहां पर चुनाव आयोग को चुनाव कराना पड रहे हैं। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा के चुनाव होंगे। वहीं हरियाणा में एक चरण में चुनाव संपन्न होगा। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में 90-90 सीटें हैं। कहने का तात्पर्य यह है, दोनों विधानसभाएं छोटी हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के हमले हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग ने तीन चरणों में चुनाव कराने का निर्णय लिया है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के संबोधन में एक राष्ट्र एक चुनाव की बात कही थी। जब चुनाव आयोग चार राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा सकता है। तब प्रधानमंत्री कैसे एक साथ सभी चुनाव एक साथ कराने की बात कर रहे हैं। कई राज्यों में 46 सीटों पर उपचुनाव होने थे, चुनाव आयोग द्वारा कोई उपचुनाव नहीं कराये जा रहे हैं। 10 विधानसभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के हैं। सीमावर्ती राज्य हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं। तब उत्तर प्रदेश में उपचुनाव कराने मैं क्या दिक्कत थी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। वायनाड की लोकसभा सीट के चुनाव बाद में भी कराये जा सकते थे। जिन राज्यों में अनुकूलता थी, वहां पर उपचुनाव नहीं कराने से चुनाव आयोग के निर्णय पर तरह-तरह की शंका पैदा की जा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ था। जो शिकायतें की गई थी, उनका निराकरण नहीं किया गया। किस राज्य में और किस संसदीय क्षेत्र में कितना मतदान हुआ है। उसमें विलंब होना, बाद में मतदान की संख्या में भारी अंतर को लेकर, चुनाव आयोग के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगे। एडीआर द्वारा लोकसभा चुनाव की जो जानकारी मांगी गई, वह चुनाव आयोग द्वारा नहीं दी जा रही है। चुनाव आयोग पहले ही कटघरे में खड़ा था, अब उपचुनाव नहीं कराने तथा केवल दो राज्यों के चुनाव कराने को लेकर, चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। यह भी कहा जा रहा है, दिल्ली विधानसभा के चुनाव समय के पहले हो सकते हैं। दिल्ली में चुनाव की तैयारी चुनाव आयोग द्वारा शुरू कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद महाराष्ट्र के साथ दिल्ली और झारखंड के चुनाव होंगे। इसकी अटकलें शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग की जितनी आलोचना 2024 के लोकसभा चुनाव में हुई है। उसके पहले कभी भी चुनाव आयोग को लेकर इस तरह की आलोचना नहीं हुई थी। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलते नहीं हैं। मीडिया से भी दूरी बनाकर रखते है। चुनाव आयोग के कार्यों में पारिदर्शिता नहीं है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता आम मतदाताओं के बीच में कम होना चिंता का विषय है। लोकसभा चुनाव के पहले भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई आंदोलन हुए। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद जिस तरह की शंका चुनाव आयोग के प्रति की जा रही है। जिस तरह से चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं। उसका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए। अब तो चर्चा यह भी होने लगी है, चुनाव आयोग में भारी भ्रष्टाचार है। चुनाव के दौरान जो खर्च किया जाता हैं। उनका केंद्रीकरण कर दिया गया है। मनमाने तरीके से काम कराए जाते हैं। मनमाने तरीके से भुगतान किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। इसलिए उसके बारे में कुछ चर्चा नहीं होती है। जिस तरह से चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं। आयोग सत्तारूण दल के इशारे पर काम करने का आरोप लग रहा है। ऐसे समय पर चुनाव आयोग को पारिदर्शिता और निष्पक्षता के साथ काम करने की जरूरत है। जब तक आम मतदाताओं को चुनाव आयोग के ऊपर विश्वास है। तभी तक लोकतंत्र और चुनाव के माध्यम से बनी हुई सरकारें सुरक्षित हैं। जिस दिन जनता का विश्वास खत्म हो जाएगा। उस दिन चुनाव आयोग और चुनाव के माध्यम से चुनी गई सरकारों का भी भविष्य सुरक्षित नहीं रहेगा। लोकतंत्र में जनता ही मालिक है। चुनाव में निष्पक्षता और पारदर्शिता जरूरी है। आशा है चुनाव आयोग इस पर ध्यान देगा।

जम्मू-कश्मीर लिखेगा एक और इतिहास

प्रदीप मिश्र

आजादी और विभाजन के बाद ऐतिहासिक विवाद और विचार-विमर्श का केंद्र रहे जम्मू-कश्मीर फिर नई इबारत लिखने जा रहा है। पांच अगस्त 2019 को स्वायत्तशासी राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए जम्मू-कश्मीर का भूगोल लद्दाख के अलग होने के कारण पहले ही बदल चुका है। अरसे बाद तीन चरणों में विधानसभा चुनाव तय हो गया है। 2014 के बाद होने जा रहा नए जम्मू-कश्मीर का यह विधानसभा चुनाव इतिहास का हिस्सा होगा। इस साल जून से आतंकवादियों के आए दिन हमलों और सुरक्षाकर्मियों की शहादत के बीच सुप्रीम कोर्ट के प्रति सम्मान जताने के चुनाव आयोग के फैसले से अवाम को स्थानीय स्तर पर नुमाइंदे मिल जाएंगे। इससे उनकी अपने जनप्रतिनिधि चुनने के बाद उनकी समस्याओं पर सुनवाई और समाधान नजदीक ही नहीं, तेजी से भी होने की उम्मीद बढ़ गई है। 87.09 लाख मतदाताओं वाले केंद्र शासित प्रदेश में सभी दलों के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा सबसे अहम है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के समय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया था कि विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जमीन और नौकरी का अधिकार, बेरोजगारी, महंगाई, अलगाववाद और सुरक्षा के हालात भी चुनाव पर अपनी छाप जरूर छोड़ेंगे। भाजपा जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला और मुफ्ती के परिवारवाद पर 2014 के लोकसभा चुनाव से ही प्रखरता से प्रहार करती रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद इसे बड़ा मुद्दा

बना दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवाम के बदले मिजाज का असर दिखा। यही वजह रही कि दो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला और महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट पर हार गए। इंडिया गठबंधन में आम राय नहीं बन पाई। उमर की पराजय अप्रत्याशित रही। महबूबा की शिकस्त का कारण भी नेशनल कांफ्रेंस रही। हालांकि पांच में से दो संसदीय सीटों पर लड़ी कांग्रेस सबसे अधिक 29.38 प्रतिशत वोट पाने के बावजूद शून्य पर रही। दो सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने 24.26 फीसदी वोट के साथ दो सीटें जीत लीं। नेशनल कांफ्रेंस ने भी दो सीटें हासिल कीं पर 22.30 प्रतिशत वोट लेकर वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों में साफ है कि नेशनल कांफ्रेंस 34 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। भाजपा ने 28, कांग्रेस सात और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 5 सीटों पर बढ़त बनाई। बारामुला संसदीय सीट पर निर्दलीय जीते इंजीनियर रशीद 14 विधानसभा क्षेत्रों में अव्वल रहे। भाजपा की सहयोगी जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस एक-एक क्षेत्र में आगे रही। 2014 के वधिानसभा चुनाव में 25 साल बाद 66.4 फीसदी मतदान हुआ था। उस समय लद्दाख की चार सीटों को मिलाकर 87 सीटें थीं। भाजपा ने इनमें से 25 सीटें जीती थीं, जबकि उसे 23.2 फीसदी वोट मिले थे। पीडीपी की सीटें सबसे अधिक 28 थीं लेकनि वोट प्रतशित 22.9 रहा। नेशनल कांफ्रेंस को 15 सीटें और 20.8 फीसदी मत मलि। कांग्रेस ने 18.2 प्रतिशत वोट हासिल कर 12 सीटें पाईं थीं। त्रिशंकु विधानसभा के कारण अरसे तक राज्यपाल शासन के बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व में सरकार बनी थी। अब स्थितियां बदली हुई हैं। नए दौर में नतीजे नए गठबंधन के नेताओं और नीतियों पर निर्भर करेंगे। वैसे, 2024 में जम्मू-कश्मीर को 'जन्नत-ए-जम्हूरियत' के तौर पर दर्ज कराने के लिए भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा को भरोसा है कि बरसों बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान का हक पाने वाले मतदाता और बेहतरी के लिए उसे चुनने में गर्व महसूस करेंगे। अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची का आधार अलग-अलग होने के कारण मतदाताओं की संख्या में ही नहीं, मंशा में भी भारी अंतर होता था। अब नए माहौल में यहां नई इबारत के साथ-साथ नया इतिहास लिखा जाना तय है। पाकिस्तान समेत दुनिया के लिए चुनाव पूरा होने तक जम्मू-कश्मीर कौतूहल का विषय बना रहेगा। चुनावी लिहाज से परिसीमन के बाद से जम्मू और कश्मीर में सीटों का संतुलन बन गया है। कुल 90 विधानसभा सीटों में जम्मू क्षेत्र 37 से बढ़ कर 43 हो गई हैं, जबकि कश्मीर में यह आंकड़ा 46 से केवल 47 तक पहुंचा है। यही नहीं, परिसीमन के बाद नौ सीटें अनुसूचित जनजाति और सात सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। भाजपा का जोर इन सीटों के जीतने पर है। गुज्जर बक्करवाल समुदाय के साथ ही पहाड़ी समुदाय को आरक्षण देकर भाजपा ने पहले से ही तैयारी कर ली है। यह भी स्पष्ट है कि पहली बार भाजपा की सरकार बनने पर सत्ता की कमान डोगरा बिरादरी के हाथ में होगी। मुख्यमंत्री पद के लिए उसने चेहरा तय है। अब तक गुलाम नवी आजाद के अलावा सभी मुख्यमंत्री कश्मीर घाटी के ही रहे हैं। महबूबा मुफ्ती के साथ एक बार सरकार में शामिल रह चुकी भाजपा को सरकार बनाने के लिए कम से कम 46 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी।

बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें?

हृदयनारायण दीक्षित

बांग्लादेश में हिंदू चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं। कत्लेआम जारी है। हिंदू महिलाओं के साथ बर्बरता के वीभत्स तरीके अपनाए जा रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के चित्र कठोर से कठोर व्यक्ति को विचलित करने वाले हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं का कोई भी काम न तो सेना के खिलाफ है और न ही सेना की कठपुतली कथित सरकार के खिलाफ।अंतरराष्ट्रीय जिज्ञासा है कि इस रक्तपात की वजह क्या है? बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू आबादी का प्रतिशत पहले ही घट रहा है। हिंदू आबादी का प्रतिशत घटने के कारण क्या हैं? दोनों देशों में हिंदू आबादी की संख्या अत्याचार, उत्पीड़न और हिंसा से घटी है। जोर जबरदस्ती का मतांतरण भी प्रमुख कारण है। मिशनरी लोगों से सम्बंधित साधारण घटनाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनती हैं। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां अपना गैरकानूनी काम करती रहती हैं। उनके गलत काम का विरोध भी सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। मगर हिंदूओं की सुनियोजित हत्या पर भी कोई हलचल नहीं होती। हिंदू थोक के भाव मारे जाते हैं, मारे जा रहे हैं। आखिरकार थोक के भाव हिंदुओं की हत्या अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है। हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है क्या? आहत मन कुछ मौलिक प्रश्न उठते हैं। क्या हिंदू होना एक अभिशाप है? हिंदू सारी दुनिया का लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया। केवल हिंदू होने के कारण ही वे मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। अबोध बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहे हैं। बांग्लादेश की सेना नियंत्रित सरकार हिंदुओं की रक्षा में असफल हुई है। हिन्दू उत्पीड़न के सरोकार बड़े हैं। भारत विभाजन के पूर्व मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग की थी। इस मांग को लेकर भी हिंदुओं का भयंकर रक्तपात हुआ था। 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम से व्यापक नरसंहार हुआ था। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिंदू 84.44 प्रतिशत और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों के इस प्रतिशत में आज के पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान भी शामिल थे। 1947 में भारत विभाजन हुआ। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना (1951) में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिंदू आबादी का अनुपात 87.24 प्रतिशत हो गया। यहां की मुस्लिम आबादी 10.43 प्रतिशत रह गई। 50 वर्ष बाद 2001 में भारत में जनगणना हुई। हिंदू आबादी घटी और 84.21 प्रतिशत रह गई। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। जनसंख्या के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान मांगा था। पाया था। अब एक और पाकिस्तान की जनसंख्या हो गई है। हिंदू इस सवाल को उठाते हैं तो उन्हें सांप्रदायिक कहा जाता है। हिंदू आबादी ही सर्वपंथ समभाव और लोकतंत्र की गारंटी है। बांग्लादेश की सीमाओं पर प्राण रक्षा के लिए व्यथित हिंदू अल्पसंख्यक हैं। वे इसीलिए मारे जा रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या कम है। सेकुलर दल हिंदू संहार पर मौन रहते हैं। बांग्लादेश से भारत के लिए अवैध प्रवेश होता रहा है। भारतीय संसद में अनेक बार बांग्लादेशी घुसपैठ स्वीकार की गई है। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल हिंदू नाम के प्रयोग से डरते हैं। फिलिस्तीन को लेकर देश के सेकुलरपंथी दुख व्यक्त करते हैं। लेकिन हिंदू प्रजाति के खात्में को लेकर मौन हैं। वाम दल भी हिंदू नरसंहार पर मौन हैं। समूची हिंदू जाति पर संकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार नागरिकता संशोधन कानून लायी थी। कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया था। वे हिंसक हो गए थे। बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें? क्या करें? पाकिस्तानी गैर मुसलमान और हिंदू भी उत्पीड़न के शिकार हैं। पाकिस्तान में भी हिंदू हिंसा का शिकार होते हैं। ईशनिंदा कानून में बड़ी सजा है। पाकिस्तानी सरकार हिंदुओं के विरुद्ध इसका इस्तेमाल करती है। संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार चार्टर भी बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जाति, वंश, लिंग आधारित भेदभाव को निषिद्ध बताने वाले सेक्युलर हिंदू नरसंहार पर चुप हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. हर्ष नारायण ने लिखा है कि, ''वास्तव में इस्लाम कहीं भी काफिरों के साथ सहअस्तित्व को न प्रोत्साहन देता है और न अनुमति। वह इसकी संभावना पर भी विचार नहीं करता। हिंदू अपने चिंतन दर्शन में समूची धरती को परिवार मानते हैं लेकिन इस्लामी राजनीतिक चिंतन में इसकी कोई गुंजाइश नहीं। 'संस्कृति के चार अध्याय' (पृष्ठ 302) में रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा है कि, ''भारत में इस्लाम का आरंभिक इतिहास मारकाट और खुरेंजी, धर्म परिवर्तन, अभद्रता और अन्याय का इतिहास है। मुसलमान एक आदर्श मजहब और एक सुगठित समाज में जिस प्रकार आबद्ध थे, उससे उन्हें अपार नैतिक बल प्राप्त होता था। इसके विपरीत हिंदुत्व ढीला हो चुका था। हिंदुओं के धर्म, आदर्श और सिद्धांत के अनेक रूप थे। फिर भी भारत में इस्लाम की धाक उस आसानी से नहीं जमी।'' इस्लामिक कट्टरता नई बात नहीं थी और न ही हिंदू सहिष्णुता। दिनकर के अनुसार अलबेरूनी ने लिखा है कि, ''हिंदू जन्मजात अहिंसक थे। अनेक धर्मों का स्वागत करते थे। वे धार्मिक मामलों में बहुत ही सहिष्णु हो गए थे। महमूद से पहले जो मुसलमान भारत आए थे उन्हें यहां के राजाओं ने अच्छा प्रश्रय दिया था।'' हिंदू अपने सहिष्णु स्वभाव के कारण बढ़-चढ़ कर नहीं लड़ते थे। दिनकर ने लिखा है कि, ''लड़ाई और मारकाट के दृश्य तो हिंदुओं ने बहुत देखे थे। उन्हें सपने में भी यह ख्याल नहीं था कि दुनिया की एकाध जाति ऐसी भी हो सकती हैं जो मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त करने में ही सुख माने। मुस्लिम आक्रमण के साथ मंदिरों और मूर्तियों पर विपत्ति आई। हिंदुओं का हृदय फट गया।'' मंदिरों और मूर्तियों पर हमले का लंबा इतिहास है। भारत में लाखों मंदिर ध्वस्त किए गए थे। लेकिन बात यहीं आकर समाप्त नहीं हुई। वे हिंदू समाज को समाप्त करने के मकसद से किसी भी तरह की लड़ाई पर आमादा रहे हैं। हिंदू और मुसलमान के बीच की दूरी पाट कर एक सहअस्तित्वपूर्ण समाज बनाने के अनेक उपाय किए गए। महात्मा गांधी ने हिंदू मुस्लिम एकता का व्रत लिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि, ''हिंदू मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं हार गया।'' दिनकर के अनुसार इस्लाम केवल नया मत नहीं था। यह हिंदुत्व का ठीक विरोधी मत था। हिंदुत्व की शिक्षा थी कि किसी भी धर्म का अनादर मत करो। मुसलमान मानते थे कि जो धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करता है उसे नस्तेनाबूत कर देना चाहिए।''

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हेल्थ सेक्टर में हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। एक सर्वे के अनुसार, साल 2025 तक देश में 10 लाख से अधिक हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत पड़ेगी।

आजकल के समय में कॅरियर को लेकर युवा काफी ज्यादा परेशान होते हैं। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। फिलकाल इस क्षेत्र में काफी कम लोग हैं। वहीं कोरोना महामारी के बाद इस सेक्टर के प्रति लोगों की जागरुकता बढ़ी है। हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे ही सेक्टर में कई विधाओं में कोर्स हैं, जिसमें से हॉस्पिटल मैनेजमेंट या हेल्थ केयर मैनेजमेंट कॅरियर के तौर पर एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

जानिए क्या है हास्पिटल मैनेजमेंट

हास्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के तहत आता है। इस सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स मानते हैं कि हेल्थ से संबंधित सर्विसेस के विस्तार से हास्पिटल मैनेजमेंट में काम बढ़ गया है। इस सेक्टर में व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने के साथ ही पैनी नजर भी बनाए रखना होता है। वहीं मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधा मिले इसकी भी कोशिश करनी होती है। आधुनिक उपकरणों और नई-नई तकनीक की व्यवस्था करना और अच्छे डाक्टरों को जोड़ना हॉस्पिटल मैनेजमेंट के दायरे में आता है। इसके अलावा किसी हादसे के होने पर इन्हीं प्रोफेशनल्स को इसका जिम्मा उठाना पड़ता है। कर्मचारियों की सुविधा और हॉस्पिटल की वित्तीय व्यवस्थाओं आदि का कार्य भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट में आता है। आपको बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट में कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार भी इन कोर्स के दायरे में आता है।

कोर्स

- सर्टिफिकेट कोर्स इन हेलथ केयर क्वालिटी मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
- ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पोस्ट ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिसिन
- एमबीए इन हास्पिटल मैनेजमेंट

बैचलर कोर्स

- 12वीं में साइंस होने के साथ 50 प्रतिशत के साथ

पीजी कोर्स

- ग्रेजुएशन इन हास्पिल मैनेजमेंट
- एमफिल या पीएचडी
- पीडी हास्पिटल मैनेजमेंट

जॉब के अवसर

इस कोर्स को कर आप सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी पा सकते हैं। जैसे आपकी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, अस्पताल के क्षेत्र में, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी, नर्सिंग होम में नौकरी लग सकती है। इसके साथ ही वाक हार्ट, मैक्स, फोर्टिस, टाटा, अपोलो अस्पताल, डंकन, विप्रो, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, फोर्टिस हेल्थ केयर लिमिटेड, अपोलो हेल्थ केयर जैसी बड़ी कंपनियों में भी जॉब कर सकते हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में बना सकते हैं शानदार करियर

आज का दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का है। इसके कारण जमीन से लेकर आसमान तक पहुंचना आसान बना दिया है। साथ ही इस टेक्नोलॉजी के कारण युवाओं के लिए नए-नए करियर विकल्प भी खुल रहे हैं, इन्हीं में से एक है स्पेस साइंस। अगर आपको भी अनंत आकाश अपनी ओर आकर्षित करता है और आप ब्रह्माण्ड के रहस्य सुलझाना चाहते हैं, तो इस फील्ड में आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

आज के समय में भारत का अंतरिक्ष प्रोग्राम बहुत विकसित हो गया है। इस समय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) न केवल भारत का उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर रहा है, बल्कि वह विकसित देशों के उपग्रह भी नियमित रूप से अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेज रहा है। जिसके कारण यहां के युवा वैज्ञानिकों के लिए भारतीय व विदेशी अंतरिक्ष विज्ञान के दरवाजे खुलने लगे हैं।

क्या है स्पेस साइंस?

'स्पेस साइंस' साइंस की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रहों, उपग्रहों, तारों, धूमकेतुओं, आकाशगंगाओं एवं अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा स्पेस साइंस के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में करियर उन हजारों रहस्यों से पर्दा उठाने का अवसर भी होता है, जो अभी तक अनसुलझे हैं। यह न केवल वैज्ञानिक स्वभाव की परीक्षा होती है, बल्कि आपकी जिज्ञासाएं भी शांत होती जाती हैं।

स्पेस साइंस में करियर का शानदार ऑप्शन

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बेहद व्यापक फील्ड है। इसके तहत एस्ट्रोनॉमी व एस्ट्रोफिजिक्स, प्रामेट्री एटमॉस्फेयर और एयरोनॉमी, अर्थ साइंस और सोलर सिस्टम का कोर्स कराया जाता है। आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी हैं। इनमें से मुख्य है कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि। साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से आइए उन विभिन्न करियर पर एक नजर डालते हैं जिन्हें आप चुन सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी

एक एस्ट्रोनॉमी का कार्य आउटर स्पेस का रिसर्च करना है। इसमें आकाशगंगा, सौर मंडल, तारे, ब्लैक होल, ग्रह आदि शामिल होता है। जिस पर रिसर्च कर एस्ट्रोनॉमी यहां पर होने वाली घटनाओं का पता लगाते हैं।

एस्ट्रोनॉट

ये वे खास लोग होते हैं, जो अंतरिक्ष में कदम रखकर अपने सपनों को पूरा करते हैं। ये स्पेस स्टेशन पर रहकर विभिन्न रिसर्च करते हैं। इनका कार्य बहुत मुश्किल होता है। इन्हें स्पेस स्टेशन में महीनों रहना पड़ता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी का करियर भी बेहद शानदार होता है। इसमें स्पेसक्रॉफ्ट, सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट और स्पेस वॉर में शामिल होने वाले विभिन्न इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य होता है।

इंजीनियरिंग

एक एस्ट्रोनॉट लोगों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो सकता है, लेकिन एक इंजीनियर स्पेस रिसर्च में पूरे अभियान की जान होता है। ये अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट का डिजाइन करते हैं। इन इंजीनियरों के लिए एयरोस्पेस, रोबोटिक्स (थिंक मार्स रोवर्स), कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

स्पेस रिसर्च

स्पेस रिसर्च में विभिन्न फील्ड के लोग शामिल होते हैं। जैसे- एस्ट्रोफिजिसिस्ट (खगोलविद जो खगोलीय पिंडों का अध्ययन करते हैं), बायोलॉजिस्ट (ये स्पेस में रहने पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करते हैं), बायोकैमिस्ट और बायोफिजिसिस्ट (सभी तरह के रासायनिक और भौतिक पहलुओं को देखते हैं), जियोलॉजिस्ट (पृथ्वी की भौतिक प्रकृति का अध्ययन और विश्लेषण) और एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट (दूसरे ग्रहों पर जीवन के संभावना का अध्ययन करते हैं) यह सभी स्पेस साइंटिस्ट के उदाहरण हैं। रिसर्च के अलावा भी कई विकल्प हैं, जैसे आप अंतरिक्ष भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं और अंतरिक्ष यान से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण में भी शामिल हो सकते हैं।

स्पेस लॉ

यह अंतरिक्ष से संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला लॉ है। इसमें समझौतों, सम्मेलनों, संधियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नियमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। आज के समय में जिस तरह स्पेस में भीड़ बढ़ रही हे, उसको देखकर स्पेस लॉ में करियर के ऑप्शन बढ़ते जा रहे हैं।

स्पेस टूरिज्म

यह सबसे तेजी से उभरता हुआ टूरिज्म है। इस फील्ड में कई नई कंपनियां आ रही हैं। यहां पर करियर बनाने का शानदार मौका है। आज के समय में इस क्षेत्र में लगे कुछ बड़े खिलाड़ी वर्जिन गेलेक्टिक, स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन, ओरियन, ओरियन स्पैन (स्पेस होटल) और बोइंग हैं।

स्पेस आर्किटेक्ट

इसे भविष्य का जॉब कहा जा सकता है। जिस तरह से स्पेस टूरिज्म बढ़ रहा है, उससे स्पेस आर्किटेक्ट की जरूरत पड़ने लगी है। इनका कार्य स्पेस में रहने के लिए योग्य वातावरण पर रिसर्च करना और डिजाइन तैयार कर निर्माण करना है। कुछ कंपनियों का निकट भविष्य में अंतरिक्ष होटल बनाने की योजना है।

स्पेस मेडिसिन

इनका कार्य आउटर स्पेस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर रिसर्च करने के साथ उनका इलाज करना है। इसके एक बड़े हिस्से में जीरो ग्रेविटी के कारण वेटलेसनेस और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के कारण होने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर रिसर्च होता है।

जैमोलॉजी की फील्ड में कमाई के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए।

समय के साथ ही कॅरियर के ऑप्शन में भी काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे कई नए-नए कोर्स आ रहे हैं, जिनको कर युवा पीढ़ी पारंपरिक पढ़ाई के साथ इस कोर्सेज को कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। ऐसा ही एक ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स है। इस कोर्स को कर युवा पीढ़ी अपना भविष्य संवार सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में आप अपने काम के प्रति लगाव और कुछ नया करने की सोच को शामिल करते हैं। वहीं डिजाइनिंग सेंस के अलावा आपको विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी भी होनी चाहिए। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए। आपको बता दें कि ज्वैलरी डिजाइनर के मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल व पैटर्न को अच्छा बनाना व सेट करना होता है। इसके लिए आपको कोरल ड्रा, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, ऑटो कैड और 3डी स्टूडियो जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। ऐसे में अगर आप भी 10वीं कर चुके हैं तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के शार्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ज्वैलरी डिजाइनिंग के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज को कर इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन

बीएससी कोर्स

- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है, जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं।

बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है प्लांट पैथोलॉजिस्ट

पौधे मनुष्य जीवन का आधार है। हालांकि यह बेहद जरूरी है कि पौधों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। मनुष्यों और जानवरों की तरह, पौधे भी संक्रामक रोगों से प्रभावित हो सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। ये रोग पौधों के रोगजनकों नामक जीवित जीवों के कारण होते हैं जिनमें कवक, बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी पौधे शामिल हैं। इसके अलावा वायु प्रदूषण और विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के चलते भी कई बार पौधे कमजोर हो जाते हैं। पौधों को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है क्योंकि यह हमारी खाद्य श्रृंखला का आधार है। ऐसे में प्लांट पैथोलॉजिस्ट की जरूरत पड़ती है। तो चलिए विस्तारपूर्वक जानते हैं इस करियर क्षेत्र के बारे में-

क्या है प्लांट पैथोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि प्लांट पैथोलॉजी जिसे फाइटोपैथोलॉजी के रूप में भी जाना जाता है, पौधों में रोगों के अध्ययन से संबंधित है और पौधे संरक्षण विज्ञान की उप शाखाओं में से एक है। पादप संरक्षण विज्ञान कृषि विज्ञान की वह शाखा है जो पौधों को स्वस्थ रखने के तरीकों का अध्ययन करती है, विशेष रूप से उच्च उत्पादन के उद्देश्य से उन्हें विभिन्न नुकसानों से बचाती है। प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता हैय जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं। पौधे की पैथोलॉजी का क्षेत्र अन्य जैविक क्षेत्रों जैसे कि माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, जैव-सूचना विज्ञान, वायरोलॉजी आदि से जुड़ा हुआ है। कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जो लोग पौधे के स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं उन्हें प्लांट पैथोलॉजिस्ट या पौधे रोगविज्ञानी के रूप में जाना जाता है। पादप रोगविज्ञानी का प्रमुख कार्य पौधों को उनके द्वारा संक्रमित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और रोककर स्वस्थ रखना है। वे उपयोगी विधियों जैसे कि दवाइयां विकसित करना, पर्यावरण में स्थितियों को बदलना आदि के द्वारा रोग को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बागवानी, मृदा विज्ञान, फसल विज्ञान, आनुवांशिकी, पारिस्थितिकी, आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन में ग्रेजुएट कोर्स के बाद प्लांट पैथोलॉजी में कॅरियर बनाया जा सकता है। कुछ बीएससी कोर्स प्लांट पैथोलॉजी में स्पेशलाइजेशन भी प्रदान करते हैं। कई कृषि विश्वविद्यालय प्लांट पैथोलॉजी में बीएससी ग्रेजुएशन कोर्स ऑफर करते हैं। स्नातक कोर्स के बाद आप प्लांट पैथोलॉजी में मास्टर्स और डॉक्टरेट की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को कड़ी मेहनत से डरना नहीं चाहिए और उनमें धैर्य होना भी उतना ही जरूरी है। इसके अलावा आपका अपने काम के प्रति जुनून ही आपको आगे तक लेकर जाएगा। विश्लेषणात्मक और अनुसंधान कौशल, संचार कौशल, उनके विचारों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता भी आवश्यक प्रमुख गुण हैं। इसके अलावा, निर्णय लेने की क्षमता, टीम में काम करने का कौशल व सभी चुनौतियों को सामना करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

देश की कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वे अन्य विशेषज्ञों जैसे प्लांट प्रजनक, खरपतवार विशेषज्ञ आदि के साथ मिलकर काम करते हैं। अनुसंधान, उत्पाद विकास, बिक्री, शिक्षण, प्रशासन, नियामक कार्य और निजी अभ्यास जैसे क्षेत्रों में पादप रोगविदों के लिए कई रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। प्लांट पैथोलॉजी में स्नातक प्लांट जेनेटिकिस्ट, प्लांट ब्रीडर, जलीय वनस्पति विज्ञानी, लिमोनोलॉजिस्ट, फिजियोलॉजिस्ट, प्लांट पैथोलॉजिस्ट आदि के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इन्हें फार्म और ग्रीनहाउस मैनेजर, पार्क और गोल्फ के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट को एग्रोकेमिकल कंपनियों, बीज कंपनियों, उर्वरक कंपनियों, कृषि परामर्श आदि में नियुक्त किया जाता है। बीज कंपनियों को अधिक प्रतिरोध शक्ति के साथ बेहतर बीज विकसित करने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट की मदद की जरूरत होती है, क्योंकि उर्वरक कंपनियां पौधों की बीमारियों से संबंधित तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए उनकी मदद चाहती हैं।

आमदनी

एक प्लांट पैथोलॉजिस्ट का पारिश्रमिक उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर तय होता है। हालांकि एक फ्रेशर इस क्षेत्र में प्रतिमाह 15000 से 22000 रूपए कमा सकता है। इसके अलावा, एक अनुभवी प्लांट पैथोलॉजिस्ट 45000 से 60000 रूपए प्रति माह की कमाई कर सकता है।

विनेश का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत

- साक्षी मलिक और बजरंग ने संभाला , ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे प्रशंसक
- आचार संहिता के कारण सरकार का कार्यक्रम रद्द

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक से महिला पहलवान विनेश फोगाट आज सुबह स्वदेश पहुंची। इस दौरान यहां के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर भारी संख्या में प्रशंसक उपस्थित थे। विनेश पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान हैं पर उन्हें पदक मुकाबले से पहले केवल 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस कारण वह स्वर्ण के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायीं। इस मामले में विनेश ने खेल पंचाट में अपील की थी पर वहां भी फैसला उनके खिलाफ आया। वे दिल्ली एयरपोर्ट से करीब 11 बजे बाहर आईं। इस दौरान पदक नहीं मिलने से दुखी विनेश अपनी साथी पहलवान साक्षी मलिक से गले लगकर रोने लगीं। इस दौरान बजरंग पूनिया सहित कई अन्य पहलवान भी उपस्थित थे जिन्होंने भावुक विनेश को संभाला। उनके स्वागत में पहुंचे लोग ढोल नगाड़ों

पर नाच रहे थे। दिल्ली एयरपोर्ट से विनेश चरखी दादरी जिले में स्थत अपने पैतृक गांव बलाली जाएंगी। इस दौरान रास्ते में भी उनका जगह-जगह स्वागत होगा। विनेश के सम्मान में गांव के खेल स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम रखा गया है हालांकि, एक दिन पहले ही आचार संहिता लग जाने के कारण राज्य सरकार इन कार्यक्रमों में शामिल नहीं होगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुछ दिन पहले विनेश को 4 करोड़ रुपए और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। वहीं बलाली गांव के पूर्व सरपंच राजेश सांगवान ने कहा कि विनेश को स्वर्ण विजेता की तरह ही सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आने वाले सभी लोगों के लिए देसी घी के व्यंजन तैयार कराए जा रहे हैं। इस दौरान खिलाड़ियों के अलावा कोच सहित अन्य लोगों को पहलवानों वाला आहार दिया जाएगा। दूसरी ओर आचार संहित लगने के कारण उनके स्वागत में होने वाले सरकारी कार्यक्रम रद्द कर दिये गये हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया पर दर्ज करनी होगी जीत

मुम्बई। भारतीय टीम को आने वाले समय में टेस्ट सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। तभी भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बना सकती है। इसके लिए भारतीय टीम को अगले 10 में से 7 टेस्ट जीतने होंगे। इस दौरान उसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी मुश्किल टीमों से कड़ी टक्कर मिलेगी। भारतीय टीम अब तक डब्ल्यूटीसी फाइनल नहीं जीती है। उसे पहली बार न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। अभी भारतीय टीम के 6 जीत और 2 हार के बाद 74 अंक हैं। टीम 68.51 फीसदी फीसदी अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। भारतीय टीम अगर सभी टेस्ट खत्म होने के बाद इतने ही या इससे कुछ कम अंक भी बरकरार रख पायी तो भी फाइनल में पहुंच जाएगी। डब्ल्यूटीसी में टीमों को एक जीत पर 12 अंक,

ड्रॉ पर 4 और हार पर कोई अंक नहीं मिलता। जबकि टाई होने पर दोनों टीमों को 6-6 अंक मिलते हैं। एक टीम को 2 साल के चक्र में 6 सीरीज खेलनी ही होती हैं पर हर टीम की सीरीज में मैचों की संख्या निर्धारित नहीं होती। किसी सीरीज में 2 तो किसी में 5 टेस्ट भी हो सकते हैं। ऐसे में अगर कुल अंक तालिका के आधार पर रैंकिंग बनाई जाती तो उन टीमों को ज्यादा फायदा होता जो 5 टेस्ट की सीरीज खेलती हैं। इस स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने रैंकिंग के लिए परसेंटेज अंकों का मापदंड बनाया है। इसी से रैंक तय होता है। इसमें भारतीय टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया से ऊपर है। भारतीय टीम ने इस चक्र में 3 सीरीज खेलते हुए वेस्टइंडीज को 1-0 से हराया पर सीरीज में एक टेस्ट ड्रॉ खेला। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही, फिर इंग्लैंड के खिलाफ घर में ही एक टेस्ट हार गए, लेकिन सीरीज 4-1 से जीत ली।

डोप जांच में फेल हुए श्रीलंकाई क्रिकेटर डिकवेला पर लगा प्रतिबंध

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेटर निरोशन डिकवेला को डोप टेस्ट में असफल होने पर खेल के सभी प्रारुपों से बाहर कर प्रतिबंध दिगा दिया गया है। हाल में हुई लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 में डिकवेला को एंटी डोपिंग नियमों को तोड़ने का दोषी पाये जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था। डिकवेला पर यह प्रतिबंध कब तक लागू रहेगा अभी इस बारे में नहीं कहा जा सकता। डिकवेला का विवादों से पुराना नाता रहा है. उनपर अनिश्चितकाल तक के लिए बैन लगाया जा सकता है. डिकवेला घरेलू टी20 लीग लंका प्रीमियर के दौरान एक दवा के डोपिंग रोधी टेस्ट में फेल हो गए थे। एलपीएल वह गॉल मार्वल्स के कप्तान थे। डिकवेला की कप्तानी वाली गॉल

मार्वल्स टीम ने लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन किया था। वह ग्रुप चरण में पहले नंबर पर रही थी। मार्वल्स ने एलपीएल में 8 मैच खेले जिसमें से उसे 5 में जीत मिली। इसके बाद क्वालीफायर 1 में मार्वल्स अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और जाफना किंग्स के खिलाफ मुकाबला हार गयी। डिकवेला ने लंका प्रीमियर लीग 2024 में 10 पारियों में एक अर्धशतक के साथ ही कुल 184 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 153.33 का रहा। डिकवेला को हाल में भारत के खिलाफ खेली गई वनडे और टी20 सीरीज में शामिल नहीं किया गया था।

राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट को महत्व देना जरुरी : जय शाह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद रखने वाले किसी भी खिलाड़ी को घरेलू क्रिकेट को महत्व देना होगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ईशान किशन को भी बोर्ड के नियमों का पालन तो करना होगा। जय शाह ने कहा, उन्हें नियमों का पालन करना होगा। भारतीय क्रिकेट टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल बुची बाबू टूर्नामेंट खेल रहे हैं। इसमें उन्होंने शानदार शुरुआत की है। उन्हें इसके बाद दिलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट भी खेलना है। ईशान अगर इन दोनो में ही बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें टीम इंडिया में वापसी का अवसर मिल सकता है। अक्तूबर 2023 में अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच मैच खेला था।

उन्होंने पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरा अचानक छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने बोर्ड के कहने के बाद भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेला था जिससे वह निशाने पर आ गये और उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला। ईशान ने जिस प्रकार आईपीएल को घरेलू क्रिकेट से ज्यादा महत्व दिया उससे भी बोर्ड नाराज बताया जा रहा है।

भाग्यश्री और सुमित पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे

नई दिल्ली। भाग्यश्री जाधव और सुमित अंतिल पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे। पैरालंपिक खेल 28 अगस्त से शुरु होंगे। इस बार के पैरालंपिक खेलों में भारत अपना सबसे बड़ा 84 सदस्यीय दल भेज रहा है। इससे पहले टोक्यों पैरालंपिक खेलों में 54 एथलीटों ने भाग लिया था। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने कहा कि इस बार भारत तीन नई स्पर्धाओं पैरा साईकलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी भाग लेगा। इन तीनों खेलों को मिलाकर भारतीय खिलाड़ी पैरालंपिक में कुल 12 खेलों में उतरेंगे। गोला फेंक खिलाड़ी भाग्यश्री ने 2022 एशियाई पैरा खेलों में एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीता था और वह टोक्यो पैरालंपिक खेलों में सातवें स्थान पर रही थीं। उन्होंने विश्व

कप और विश्व पैरा एथलेटिक्स खेलों में भी पदक जीते थे। वहीं पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित ने साल 2020 टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर के विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल किया था। इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता तथा 2022 एशियाई खेल में 73.29 मीटर के थ्रो के साथ ही एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में डेढ़ फीसदी से ज्यादा रही तेजी

- सेंसेक्स 1,330 अंकों की बढ़त के साथ 80,436 पर बंद
- निफ्टी 397 अंक उछलकर 24,541 के स्तर पर बंद

मुंबई। अमेरिका में वृहद आ थिंक आंकड़ों से मंदी की आशंका दूर होने की संभावना से घरेलू शेयर बाजार और दुनिया भर के बाजार में तेजी देखी गई। शेयर बाजार में साप्ताहिक आधार पर डेढ़ फीसदी से ज्यादा तेजी रही। देसी निवेशकों की लगातार लिवाली से भी शेयर बाजार को बल मिला। पिछले सप्ताह गुरुवार को 15 अगस्त के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से सप्ताह में एक दिन कम कारोबार हुआ। पिछले सप्ताह के कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हिंडनबर्ग-सेबी विवाद की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 गिरावट के साथ खुले। हालांकि वैश्विक बाजारों की स्थिरता के कारण इस गिरावट को सीमित रखा गया। बीएसई सेंसेक्स 228 अंक गिरकर 79,477 पर खुला और 56.99 अंक टूटकर 79,648.92 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी

85 अंक गिरकर 24,282 पर खुला और 20.50 अंक कमजोर होकर 24,347.00 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों और आर्थिक आंकड़ों से मिले मिश्रित संकेतों के आधार पर बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 42 अंक गिरकर 79,607 पर खुला और 692.89 अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 पर बंद हुआ। निफ्टी 10 अंक गिरकर 24,337 पर खुला और 208.00 अंक फिसलकर 24,139.00 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 150.82 अंकों की बढ़त के साथ 79,088.76 के स्तर पर खुला और 149.85 अंकों की बढ़त के साथ 79,105.88 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 14.25 अंक मजबूत होकर 24,153.25 पर खुला और 4.75 अंक मजबूत होकर 24,143.75 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स लगभग 800 अंक बढ़कर 79,743.31 पर खुला और 1,330.96 (1.68 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 80,436.84 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 180 अंक बढ़कर 24,326.45 पर खुला और 397.41 (1.65 फीसदी) अंक उछलकर 24,541.15 के स्तर पर बंद हुआ।

अब निजी कंपनियां एक बार में 100 से ज्यादा नहीं खरीद सकेंगी सिम कार्ड

- सरकार ने ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने बनाए नए नियम

नई दिल्ली। सिम कार्ड के नए नियमों के तहत अब प्राइवेट कंपनियां एक बार में 100 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं खरीद सकेंगी। इसके लिए उन्हें अगली बार फिर से अप्लाई करना होगा। सिम कार्ड जारी करने से पहले यूजर का ई-वेरीफिकेशन करना जरूरी होगा, जिससे ऑनलाइन धोखाधड़ी पर रोक लगाई जा सके। सिम कार्ड के नियमों में बदलाव हो सकता है। कुछ समय पहले ही सिम कार्ड को लेकर नया नियम आया था। नए नियमों का सबसे ज्यादा असर यूजर्स पर पड़ने वाला है। क्योंकि सरकार की तरफ से ऑनलाइन फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड से संबंधित नए नियम बनाए गए हैं। टेलीकॉम डिपार्टमेंट ने कार्रवाई करते हुए कहा कि अब निजी कंपनियां 100 से ज्यादा सिम कार्ड

नहीं खरीद सकेंगी। एक समय में 100 सिम कार्ड ही खरीद पाएंगी। ऑनलाइन स्कैम और सिम कार्ड की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से ये फैसला लिया गया है। अगर किसी भी कंपनी को इससे ज्यादा सिम चाहिए तो उन्हें रिक्वेस्ट करनी होंगी। ये रिक्वेस्ट कंपनियों के एमडी द्वारा की जाएगी। कंपनी को बल्क में सिम कार्ड चाहिए तो उन्हें 100 सिम कार्ड के बैच में ही इसे अप्लाई करना होगा। इसके बाद ज्यादा सिम हासिल करने के लिए उन्हें अगले दिन दोबारा अप्लाई करना होगा। इसमें एमडी के साथ यूजर का भी ई-वेरीफिकेशन होगा। फोटोग्राफ के साथ पूरी जांच करने के बाद ही सिम कार्ड इशू किया जाएगा। कंपनियों पर किसी प्रकार की कोई रोक नहीं थी। वह अनलिमिटेड नंबर ऑफ सिम खरीद सकती थीं। लेकिन अब इसमें भी बदलाव करने के बाद जरूरी हो गया है कि कर्मचारी खुद सिम का ई-वेरीफिकेशन करेगा। उसे पूरा करने के बाद ही सिम कार्ड इस्तेमाल करने लायक होगी। सिक कार्ड एक्टिवेशन का प्रोसेस पूरा तभी होगा जब यूजर की केवॉयसी पूरी तरह अपडेट होगी। इससे पहले ऐसा नहीं किया जाएगा यानी सरकार की तरफ से इस पर पूरी तरह काबू पाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। हालांकि इसके अलावा भी साइबर क्राइम को रोकने के लिए सरकार बहुत सारे फैसले ले रही है जो सीधा यूजर्स को प्रभावित करने वाले हैं।

वर्ष 2027 तक भारत बन जाएगा विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था: गीता गोपीनाथ

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का नारा दिया है। इस कड़ी में सबसे पहले सरकार का लक्ष्य है कि 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाए। अब सरकार के इस लक्ष्य को आईएमएफ ने भी संभव बताया है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के लि आईएमएफ ने जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। दरअसल, इंटरनेशनल मोनेटरी फंड की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ का कहना है कि भारत साल 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मालूम हो कि मौजूदा समय में भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोपीनाथ ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में हमने जैसी उम्मीद

जताई थी, भारत की अर्थव्यवस्था उससे बेहतर कर रही है। गीता गोपीनाथ ने ग्रोथ रेट में अपग्रेड के पीछे कई तर्क दिए हैं। उन्होंने कहा कि टू-व्हीलर्स सेल्स और एफएमसीजी सेक्टर फिर से वापसी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। साथ ही इस साल मानसून भी अच्छा करता दिख रहा है, जिससे एग्रीकल्चर इनकम में बढ़ोतरी की संभावना है।

कच्चा तेल 80 डॉलर, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं कोलकाता

में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के आखिर दिन के कारोबार में ब्रेंड क्रूड 1.36 डॉलर की गिरावट के साथ 89.68 डॉलर प्रति बैरल पर है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 1.51 डॉलर लुढ़क कर 76.65 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर है।

क्रेडिट कार्ड बंद करने में देरी करने पर बैंक को देना होगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक अगर कोई ग्राहक क्रेडिट कार्ड को बंद कराने का आवेदन देता है तो उस पर 7 दिन के अंदर प्रॉसेस शुरू करना जरूरी होता है। अगर कार्ड जारी करने वाली बैंक या संस्था ऐसा नहीं कर पाती है तो 7 दिन की अवधि के बाद उस पर 500 रुपये हर दिन के हिसाब से जुर्माना लगता है और यह राशि ग्राहक को देनी होती है। हालांकि एक बात का ध्यान देना जरूरी है कि आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भी बकाया नहीं होना चाहिए। यह नियम आरबीआई ने साल 2022 में पेश किया था। किसी भी क्रेडिट कार्ड को बंद कराने से पहले आपको उसका बकाया चुकाना होता है। जब तक बकाया नहीं चुकाया जाता है तब तक क्रेडिट कार्ड बंद नहीं

होगा। बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड बंद करवाने से पहले रिवॉर्ड प्वाइंट रिडीम नहीं करते हैं। आपने खर्च करके ये प्वाइंट कमाया है। ऐसे में यह रिडीम करना आपका हक ह। कई बार लोग अपने क्रेडिट कार्ड पर कुछ रिकरिंग पेमेंट्स की स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन लगा देते हैं, जैसे इंश्योरेंस प्रीमियम, ओटीटी मंथली चार्ज या कुछ और. बंद कराने से पहले इसे पूरी तरह से क्लियर कर दें। अब आपको बैंक को फोन करके बताना होगा कि आप क्रेडिट कार्ड बंद करना चाहते हैं। इसके बाद वह डिटेल मांगेगा, जिसके बाद प्रॉसेस शुरू किया जाएगा।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक दी कमल हासन की फिल्म इंडियन 2

हिंदी ऑडियंस को सरप्राइज

कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 कुछ वक्त पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म के रिलीज होने से पहले मेकर्स को पूरी उम्मीद थी कि यह फिल्म भी उसी तरीके से कमाल करेगी जिस तरीके से इंडियन ने किया था. हालांकि फिल्म फ्लॉप हो गई और लोगों को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं आई. इसके बाद इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाना था. फिल्म के थिएटर्स में रिलीज होने से पहले ही इसे नेटफ्लिक्स ने खरीद लिया था. इंडियन 2 ओटीटी पर भी आ गई थी, लेकिन इसमें एक पेंच था जो कि अब सुलझ गया है. चलिए जानते हैं. इंडियन 2 नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई, लेकिन यह सिर्फ रीजनल लैंग्वेंज में थी. इसे हिंदी में रिलीज नहीं किया गया था. लेकिन अब खबर आ रही है कि इंडियन 2 को ओटीटी पर हिंदी में भी रिलीज कर दिया गया है. तो जो लोग घर से बाहर नहीं जाना चाहते हैं वह घर बैठे इस फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं. इंडियन 2 का डायरेक्शन शंकर ने किया है. मेकर्स को लगा था कि इंडियन 2 1996 में आई इंडियन की तरह धमाल मचाएगी, लेकिन हुआ इसका उल्टा. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धराशाई हो गई. 250 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी. नेटफ्लिक्स ने 120 करोड़ रुपये में इंडियन 2 के राइट्स खरीदे थे. लेकिन फिल्म के ऐसे हालात देखने के बाद वह भी अपने आधे पैसे वापस मांगने लगे. हालांकि इंडियन 2 9 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज की जा चुकी है. कमल हासन के वर्कफ्रंट की बात करें तो इंडियन 2 से पहले अभिनेता फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आए थे. इसके अलावा कमल हासन 'ठग लाइफ में भी नजर आने वाले हैं.

शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की फिल्म अमरन की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

31 अक्टूबर को होगी रिलीज

साई पल्लवी, शिवकार्तिकेयन की अमरन की रिलीज डेट तय हो गई है। शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की फिल्म अमरन 31 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है, इसलिए देशभक्ति के जोश से भरी दिवाली के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म भारतीय सेना की राजपूत रेजिमेंट के एक कमीशन प्राप्त अधिकारी मेजर मुकुंद वरदराजन के जीवन पर आधारित एक बायोग्राफिकल ड्रामा है, जो बहादुरी और बलिदान के लिए एक शक्तिशाली श्रद्धांजलि है। आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अपनी वीरता के लिए मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित मेजर वरदराजन को शिवकार्तिकेयन ने जीवंत किया है, जो उनकी सामान्य हास्य भूमिकाओं से हटकर है। साई पल्लवी इस मार्मिक कहानी में उनके साथ शामिल होती हैं, और इस परियोजना में अपने निर्विवाद करिश्मे और अभिनय कौशल को जोड़ती हैं। अमरन के लिए उत्सुकता लगातार बढ़ रही है, निर्माताओं ने फिल्म की तीव्रता की झलकियों के साथ प्रशंसकों को चिढ़ाया है। आधिकारिक रिलीज की तारीख की घोषणा के साथ-साथ शिवकार्तिकेयन की विशेषता वाले एक भयंकर पोस्टर की हाल ही में रिलीज ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। अमरन उद्योग के दिग्गजों का एक संयुक्त प्रयास है, जिसमें निर्देशक राजकुमार पेरियासामी (जिन्हें रंगून के लिए जाना जाता है), उलगनयागन कमल हासन, आर महेंद्रन और सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल

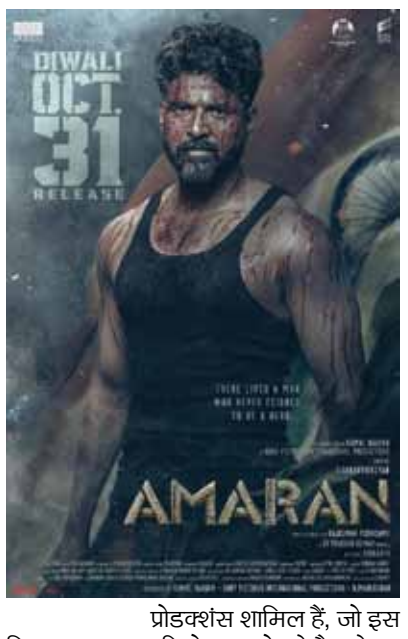

प्रोडक्शंस शामिल हैं, जो इस परियोजना को बड़े पैमाने पर समर्थन दे रहे हैं। संगीत स्कोर प्रतिभाशाली जीवी प्रकाश कुमार द्वारा रचित है। अपनी बहुभाषी रिलीज के साथ, अमरन पूरे भारत और उसके बाहर दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है, जो वीरता और देशभक्ति का संदेश फैलाएगा। मेजर मुकुंद वरदराजन की प्रेरक कहानी से प्रभावित होने और इस दिवाली अमरन की सिनेमाई चमक का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाइए।

भूमि पेडनेकर-ईशान खट्टर की द रॉयल का एलान

नेटफ्लिक्स की मल्टीस्टारर सीरीज में दिखेंगे नामचीन स्टार्स

भूमि पेडनेकर, ईशान खट्टर और जीनत अमान स्टारर नेटफ्लिक्स सीरीज द रॉयल्स का अनाउंसमेंट हो चुका है जिसकी पहली झलक सामने आई है. नेटफ्लिक्स ने हाल ही में अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर द रॉयल्स की झलक शेयर की जिसमें हम कई सितारों को रॉयल्टी को प्रेजेंट करते हुए देखा जा सकता है. यह शो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा. नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर शो की पहली झलक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, आपकी आंखों के लिए एक शाही दावत, द रॉयल्स की घोषणा, जल्द ही आ रही है केवल नेटफ्लिक्स पर. इस सीरीज में ईशान खट्टर, भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, मिलिंद, डिनो मोरिया, चंकी पांडे, विहान सामत जैसे सितारे नजर आने वाले हैं. नेटफ्लिक्स ने जैसे ही द रॉयल्स की अनाउंसमेंट की नेटिजन्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी एक्साइटमेंट दिखाई. एक ने लिखा- वॉव कितना खूबसूरत है अब और इंतजार नहीं कर सकते. एक ने लिखा- शो ऑफ द ईयर. एक ने कमेंट किया-वाह मैं इसके लिए काफी एक्साइटेड हूं. एक ने कमेंट किया-ट्रेलर देखकर लग रहा है शो कितना सही होगा. द रॉयल्स को फोर मोर शॉट्स प्लीज फेम नूपुर अस्थाना और द नाइट मैनेजर फेम प्रियंका घोष ने निर्देशित किया है. फिलहाल शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है लेकिन यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा.

खतरों के खिलाड़ी ने दूर किया ऊंचाई का डर, अब कभी नहीं बनेगा रुकावट : निमृत कौर अहलूवालिया

रोहित शेट्टी का स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी 14 इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। इसमें बतौर कंटेस्टेंट शामिल होने वाली निमृत कौर अहलूवालिया ने खतरनाक स्टंट के जरिये ऊंचाई के अपने डर पर काबू पाया। एक्ट्रेस ने बताया कि यह डर अब उनके लिए कभी बाधा नहीं बनेगा। खतरों के खिलाड़ी 14 के पहले सप्ताह में निमृत ने एक स्टंट में अपने डर का सामना किया, जिसमें उन्हें ऊंचाई के डर को मात देनी थी। उन्होंने कहा कि शो में हिस्सा लेने से उन्हें अपने बारे में ज्यादा जानने का मौका मिला, जिससे वह पहले से ज्यादा मजबूत बन गईं। निमृत ने कहा, मेरे लिए खतरों के खिलाड़ी में हिस्सा लेना बेहद खास रहा है। ऊंचाई के डर पर काबू पाना कुछ ऐसा है, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था। यह शो मुझे मेरी सीमाओं से आगे लेकर गया। अपने डर का सामना करने के बारे में उन्होंने कहा, मैंने अपने बचपन के डर का सामना किया और खतरनाक स्टंट को पूरा किया, जिससे अब मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया है। मैं अपने आगे के सफर को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं। अब ऊंचाई का डर मेरे रास्ते में कभी बाधा नहीं बनेगा। निमृत ने 2018 में फेमिना मिस मणिपुर का खिताब अपने नाम किया। पहली बार वह बी प्राक के गाने मस्तानी में दिखाई दीं। इसके बाद उन्होंने प्रियकांत लैशराम की फिल्म हु सेड बॉयज कांट वियर मेकअप? में काम किया। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो भी किए, लेकिन उन्हें पहचान मिली साल 2019 में टीवी ड्रामा छोटी सरदारनी से। इस शो में उन्होंने मेहर ढिल्लों और सहर गिल का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाई। कलर्स टीवी के रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 16 का हिस्सा बनने के बाद उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। वह शो में छठे नंबर पर रहीं। इस सीजन के विजेता एमसी स्टेन रहे। उन्हें साल 2023 में श्रेया घोषाल और विशाल मिश्रा के म्यूजिक वीडियो जिहाल-ए-मिस्किन में देखा गया।

श्रद्धा कपूर ने रेड आउटफिट में गिराई बिजली

एक्ट्रेस की खूबसूरती ने फैंस को बनाया दीवाना

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी फिल्म स्त्री 2 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। श्रद्धा अपनी फिल्म का प्रमोशन लाल रंग के कपड़ों में ही कर रही हैं क्योंकि यही फिल्म की थीम है। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रेड आउटफिट पहनी हुई दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वो अपनी फिल्म स्त्री 2 को लेकर लगातार चर्चाएं बटौर रही हैं। श्रद्धा कूपर की फिल्म स्त्री 2 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। और वो लगातार अपनी फिल्म का प्रमोशन लाल रंग के कपड़ों में ही कर रही हैं क्योंकि यही फिल्म की थीम है। अब हाल ही में उनके लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने रेड कलर की शर्ट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। ओपन हेयर को स्टाइलिश लुक देकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बॉसी लुक में पोज देते हुए सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं। बता दें कि श्रद्धा जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटो पर दिलखोलकर लाइक्स करते हैं। बता दें कि इन दिनों एक्ट्रेस ना सिर्फ अपनी बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चाओं में हैं। अफवाहें है कि श्रद्धा कपूर ने अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी से ब्रेकअप कर लिया है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी का ट्रेलर हुआ रिलीज

लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दौर की कहानी लाईं अभिनेत्री

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी का इंतजार एक्ट्रेस के फैंस को बेसब्री से है. फिल्म इमरजेंसी से पोस्टर और टीजर जारी होने के बाद अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. कंगना रनौत ने हाल ही में इमरजेंसी के ट्रेलर की रिलीज डेट से पर्दा हटाया था.

इमरजेंसी का ट्रेलर की शुरुआत से ही जोश से भरा है. कंगना रनौत बतौर पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी के रोल में अपना काम बखूबी निभा रही हैं. इसके अलावा ट्रेलर में आपातकाल और विपक्षी के नेताओं के सीन को दिखाया है. ट्रेलर में इंदिरा गांधी द्वारा साल 1975 में लगाए आपातकाल और उनके काम पर उंगली उठाने वाले सीन की भरमार है. इस पोस्ट में कंगना ने लंबे चौड़े नोट के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों को शेयर कर कंगना ने लिखा है, बड़ी स्क्रिन पर फिल्म देखने के आइडिया के कॉन्स्पेशन से, फिल्ममेकर होने से बड़ी कोई चीज नहीं है, आज बेहद खास दिन है, क्योंकि आज मेरे डायरेक्शन में बनी फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज होने जा रहा है, खुश हूं अपना काम आप सभी को दिखाने के लिए, फिल्म में आपकी भागीदारी का इंतजार है, इससे ज्यादा कुछ और नहीं चाहिए, बतौर स्टोरी टेलर मेरे दुनिया में आपका स्वागत है, इमरजेंसी 6 सितंबर को रिलीज होगी. फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी का रोल प्ले करने जा रही हैं. फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक को जगजीवन राम, विशाक नायर को संजय गांधी, मिलिंद सोमन को सैम मानेकशॉ, महिमा चौधरी को पुपुल जयाकर, श्रेयस तलपड़ को अटल बिहारी वाजपेयी और अनुपम खेर को जेपी नारायण के रोल में देखा जाएगा.

मुफासा-द लायन किंग का हिंदी ट्रेलर हुआ रिलीज

शाहरुख और उनके बेटे आर्यन-अबराम ने अलग-अलग किरदारों को दी आवाजें

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान एक बार फिर से डिज़नी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मुफासा: द लायन किंग में मुफासा के किरदार में नजर आएंगे. फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है जिसमें न सिर्फ शाहरुख खान की वापसी देखने को मिल रही है बल्कि उनके बेटे आर्यन और अबराम भी इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं. ट्रेलर में जहां आर्यन खान ने सिम्बा को अपनी आवाज दी है वहीं अबराम ने युवा मुफासा की आवाज़ दी है. बारी जेन्किंस द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत में 20 दिसंबर को अंग्रेज़ी, हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज़ होगी. फिल्म और अपने बेटों के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा, मुफासा: द लायन किंग, मुफासा के जीवन को बचपन से लेकर एक अद्भुत राजा बनने तक दिखाती है, और इस किरदार को फिर से निभाना असाधारण रहा है. डिज़नी के साथ मेरा यह एक विशेष सहयोग है, खासकर इसलिए क्योंकि मेरे बेटे आर्यन और अबराम इस यात्रा का हिस्सा हैं और उनके साथ इस अनुभव को साझा करना वास्तव में सार्थक है. फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं और शाहरुख खान के साथ उनके बेटों की जोड़ी को देखने के लिए उत्सुक हैं.शाहरुख खान को बड़े पर्दे पर आखिरी बार जवान फिल्म में देखा गया था और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. उनकी आगामी फिल्म किंग है जिसमें वे बेटी सुहाना के साथ दिखाई देंगे.